प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर
गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक
मोर्निंग सिटी
सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 08, 03 मई से 09 मई, 2026 | मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म
मोर्निंग सिटी

काउंटिंग में केंद्रीय कर्मियों की तैनाती पर रोक से इंकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में मतगणना की प्रक्रिया को लेकर ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी (टीएमसी) को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। चुनाव आयोग द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों को 'काउंटिंग सुपरवाइजर' नियुक्त करने के फैसले के खिलाफ टीएमसी ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन कोर्ट ने इस मामले में दखल देने से साफ इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग (ईसीआई) को अपने अधिकारी चुनने का पूरा अधिकार है और वह उनके काम में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा।

क्या है पूरा विवाद?

चुनाव आयोग ने 30 अप्रैल को एक निर्देश जारी किया था जिसके अनुसार मतगणना की हर टेबल पर सुपरवाइजर या असिस्टेंट में से कम से कम एक कर्मचारी केंद्र सरकार या पब्लिक सेक्टर (पीएसयू) का होना अनिवार्य है। टीएमसी का आरोप है कि केंद्र सरकार के कर्मचारी बीजेपी के प्रभाव में काम कर सकते हैं, जबकि कलकत्ता हाई कोर्ट ने इस आशंका को खारिज करते हुए आयोग के फैसले को वैध बताया था।

13 अप्रैल का सर्कुलर ही रहेगा प्रभावी : सभी पक्षों को सुनने के बाद जस्टिस जे. बागची की बेंच ने कहा कि इस मामले में किसी नए आदेश की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि चुनाव आयोग द्वारा 13 अप्रैल 2026 को जारी किए गए सर्कुलर का पूरी तरह से पालन किया जाए। कोर्ट के इस रुख से साफ है कि काउंटिंग सुपरवाइजर की नियुक्ति की प्रक्रिया में अब कोई बदलाव नहीं होगा और यह चुनाव आयोग के मौजूदा नियमों के तहत ही संपन्न होगी। इस फैसले को ममता बनर्जी की सरकार के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है, जो लगातार मतगणना प्रक्रिया में राज्य के कर्मचारियों की भागीदारी की मांग कर रही थी।

सिब्बल की दलील और कोर्ट की टिप्पणी

सिब्बल ने चुनाव आयोग के नियमों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब पहले से ही माइक्रो ऑब्जर्वर के रूप में केंद्र सरकार का एक प्रतिनिधि मतगणना प्रक्रिया में मौजूद है, तो दूसरे प्रतिनिधि की काउंटिंग एजेंट के तौर पर क्या जरूरत है? इस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मतगणना प्रक्रिया के दौरान सभी दलों के काउंटिंग एजेंट वहां मौजूद रहेंगे, जो एक सामान्य प्रक्रिया है। सुनवाई के दौरान एक बड़ा मुद्दा काउंटिंग सुपरवाइजर और एजेंटों की निष्पक्षता को लेकर उठा। कोर्ट ने टिप्पणी की कि यदि काउंटिंग सुपरवाइजर और एजेंट केंद्र या राज्य सरकार के कर्मचारी हैं, तो उनकी नियुक्ति को गलत कैसे कहा जा सकता है? कोर्ट ने आगे कहा कि सरकारी कर्मचारी तो सरकारी कर्मचारी होते हैं— उनकी निष्ठा किसी एक राजनीतिक दल के प्रति कैसे हो सकती है? चुनाव आयोग (ईसीआई) की ओर से वकील दामा शेषाद्रि नायडू ने अदालत को बताया कि मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) अंततः राज्य सरकार के ही होते हैं और वही यह तय करते हैं कि काउंटिंग सुपरवाइजर कौन होगा। दूसरी ओर, कपिल सिब्बल ने टीएमसी की दलील को मजबूती से रखते हुए चुनाव आयोग के 13 अप्रैल के सर्कुलर का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि आयोग का खुद का नियम यह कहता है कि काउंटिंग सुपरवाइजर की नियुक्ति में 'रैंडमाइजेशन' की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

165 एडिशनल काउंटिंग और 77 पुलिस ऑब्जर्वर किए नियुक्त

चुनाव आयोग का बंगाल को लेकर बड़ा फैसला

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के खत्म होने के बाद और वोट काउंटिंग से पहले स्टॉन्ग रूम और इलेक्टॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में छेड़छाड़ के आरोपों को लेकर बवाल मचा हुआ है। इस बीच चुनाव आयोग ने शनिवार (2 मई, 2026) को बड़ा कदम उठाते हुए पश्चिम बंगाल में 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। आयोग ने कहा कि जिन 165 विधानसभा क्षेत्रों में एक से ज्यादा काउंटिंग हॉल हैं, वहां काउंटिंग ऑब्जर्वर की मदद के लिए अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इस नियुक्ति के दौरान सभी ऑब्जर्वर्स आयोग के अधीन रहेंगे और आयोग की नियंत्रण और नेतृत्व में कार्य करेंगे। आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि काउंटिंग सेंटर्स पर तैनात पुलिस ऑब्जर्वर किसी भी हालत में वोटों की गिनती के दिन और दौरान काउंटिंग हॉल में नहीं जाएंगे। पुलिस पर्यवेक्षक वोट काउंटिंग प्रक्रिया के दौरान मतगणना पर्यवेक्षकों और अन्य तैनात चुनावी मशीनरी के साथ मिलकर काम करेंगे।

टीएमसी ईवीएम से छेड़छाड़ के लिए की जाने वाली हर तरह की कोशिश को विफल करेगी: ममता

मतगणना से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खेल हुआ तेज

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच आरोप प्रत्यारोप का खेल तेज हो गया है। तृणमूल कांग्रेस ने ईवीएम और बैलेट पेपर से छेड़छाड़ का आरोप लगाया तो भाजपा ने इसे ममता बनर्जी का चुनाव में हार से पहले का भय बताया है। गुरुवार रात मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अचानक सखावत मेमोरियल गर्ल्स हाई स्कूल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया था। यह वही स्थान है जहां भवानीपुर सीट की ईवीएम मशीनें रखी गई हैं। मुख्यमंत्री देर रात तक वहां मौजूद रहीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें कई स्थानों से ईवीएम में गड़बड़ी की जानकारी मिली है, जिसके बाद वह खुद स्थिति देखने पहुंचीं। इस पूरे घटनाक्रम के बीच चुनाव आयोग और प्रशासन की ओर से भी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की गई। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा है कि मतगणना केंद्रों पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है और सभी स्ट्रॉन्ग रूम चौबीस घंटे सीसीटीवी निगरानी में हैं, जिसे बाहर से भी देखा जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बिना ठोस प्रमाण के लगाए गए आरोप निराधार हैं। इसी बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने मतगणना में केंद्रीय कर्मियों की नियुक्ति के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह निर्वाचन आयोग का अधिकार क्षेत्र है और इसमें कोई अवैधता नहीं है।

अधिकारी ने मुख्यमंत्री के आरोपों को बताया तथ्यहीन और भ्रामक

राज्य की 294 विधानसभा सीटों में 23 और 29 अप्रैल को हुआ था मतदान, 4 को होगी मतगणना

संदेह जताना मुख्यमंत्री की पुरानी आदत : अधिकारी

वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने मुख्यमंत्री के आरोपों को पूरी तरह तथ्यहीन और भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि ईवीएम को लेकर संदेह जताना मुख्यमंत्री की पुरानी आदत है और यह उनकी संभावित हार के डर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव से पहले ऐसे आरोप लगाना तृणमूल कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा बन चुका है।

ममता ने लगाया है पक्षपात का आरोप

मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि शुरुआत में केंद्रीय बलों ने उन्हें अंदर जाने से रोका, लेकिन निर्वाचन नियमों के अनुसार उम्मीदवार और चुनाव एजेंट को सील कक्ष तक जाने की अनुमति होती है। बाद में उन्होंने संबंधित अधिकारी से अनुमति लेकर अंदर प्रवेश किया। मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के बीच यह भी कहा कि उनकी पार्टी ईवीएम से छेड़छाड़ के लिए की जाने वाली हर तरह की कोशिश को विफल करेगी। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि उनके दल के एजेंटों को गिरफ्तार किया गया है तथा कई जगह एकतरफा कार्रवाई हो रही है।

टीएमसी ने डाक मतपत्रों की अनधिकृत छंटाई का लगाया आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने कोलकाता के एक ईवीएम स्ट्रॉन्गरूम में डाक मतपत्रों की अनधिकृत छंटाई का आरोप लगाते हुए शनिवार को निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई। खुदीराम अनुशीलन केंद्र के बाहर डेरा डाले तृणमूल कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि डाक मतपत्रों से भरे आठ बक्से तड़के चार बजे लाए गए और उन्हें एक ऐसे कमरे में ले जाया गया, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। तृणमूल के एक सदस्य ने सवाल किया, "हम मांग करते आ रहे हैं कि ईवीएम और डाक मतपत्रों वाले हर एक मिलीमीटर स्थान पर सीसीटीवी निगरानी रखी जाए। लेकिन जब इन बक्सों को अंदर ले जाया गया, तो यह साफ हो गया कि उन्हें सीसीटीवी की पहुंच से दूर कमरे में ले जाया गया। आखिर ऐसा क्यों?" उत्तरी और पूर्वी कोलकाता के कई विधानसभा क्षेत्रों की मतदान मशीनें खुदीराम अनुशीलन केंद्र के स्ट्रॉन्गरूम में रखी हैं। तृणमूल कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बीच भाजपा की श्यामपुकुर से उम्मीदवार पूर्णिमा चक्रवर्ती अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गईं, जिससे तनाव और बढ़ गया। दोनों पक्ष नारेबाजी करने लगे, जबकि पुलिस स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश करती रही। चक्रवर्ती ने दावा किया कि हार के डर से तृणमूल कार्यकर्ता स्ट्रॉन्गरूम के बाहर हंगामा कर रहे हैं। बाद में तृणमूल ने कहा कि उसने इस मामले में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज करा दी है।

प. बंगाल की दो सीटों के 15 केंद्रों पर पुनर्मतदान

पुनर्मतदान में भी हंगामा, बवाल शाम तक 87 प्रतिशत वोटिंग

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीट के 15 केंद्रों पर शनिवार को पुनर्मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया और मतदान खत्म होने से एक घंटे पहले करीब 87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

वोटिंग के दौरान भी आरोप प्रत्यारोप का दौर चला। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर सीट के चंदा प्राथमिक स्कूल स्थित मतदेय केंद्र संख्या-179 पर एक दिव्यांग मतदाता और उसकी मां के साथ केंद्रीय बलों ने दुर्व्यवहार किया। इस कथित घटना के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। एक निर्वाचन अधिकारी ने कहा, 'तृणमूल कांग्रेस की नेता मनमोहिनी विश्वास और प्रतीक उर रहमान मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई को बेवजह की उत्पीड़न बताया। वहां मौजूद हमारे अधिकारियों ने मामले को संभाल लिया है।' उन्होंने बताया कि इसके अलावा क्षेत्र के 15 मतदेय केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण रहा।

धांधली की मिली थी शिकायत

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीट के 15 केंद्रों पर शनिवार को पुनर्मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया और मतदान खत्म होने से एक घंटे पहले करीब 87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि शाम 5 बजे तक 86.90 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक चला। मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 और डायमंड हार्बर के चार मतदान केंद्रों पर वोटिंग कुल मिलाकर शांतिपूर्ण तरीके से हुई। चुनावी धांधली की जानकारी मिलने पर निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को इस सीट पर पुनर्मतदान का आदेश दिया था। अधिकारी ने बताया कि मगराहाट पश्चिम में 86.11 प्रतिशत और डायमंड हार्बर में 87.60 प्रतिशत मतदान हुआ।

चुनावी धांधली की जानकारी मिलने पर दक्षिण 24 परगना जिले की दो सीटों में हो रहा है दोबारा मतदान

आयोग का फैसला, फाल्ता में भी होगा पुनर्मतदान

निर्वाचन आयोग ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्ता विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्र पर 21 मई को पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया। एक अधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण में 29 अप्रैल को फाल्ता में हुए मतदान में 'गंभीर चुनावी गड़बड़ियों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के उल्लंघन' के कारण पुनर्मतदान का आदेश दिया गया है। आयोग ने कहा कि फाल्ता सीट के सभी 285 बूथ पर 21 मई को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक फिर से मतदान होगा। आयोग के अधिकारी ने बताया कि इस निर्वाचन क्षेत्र के मतों की गणना 24 मई को होगी। बता दें, पूरे फाल्ता निर्वाचन क्षेत्र में दोबारा मतदान की मांग भाजपा ने तब उठाई थी, जब यह आरोप लगाया गया कि कुछ बूथों पर भाजपा उम्मीदवार के नाम और फोटो के बगल में मौजूद ईवीएम के बटन सफेद टेप से ढके हुए थे। इसके अलावा, भारत निर्वाचन आयोग ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की डायमंड हार्बर जिला पुलिस को निर्देश दिया कि वे फाल्ता विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी सहयोगियों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करें। ग्रामीणों ने इन सहयोगियों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने भाजपा को वोट देने पर उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है।

खबर संक्षेप

टीसीएस केस : आरोपी निदा को झटका

नासिक। नासिक के बहुचर्चित टीसीएस केस में शनिवार को नासिक रोड न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी निदा खान की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी. इस निर्णय को मामले की जांच के लिए अहम माना जा रहा है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पहले आदेश सुरक्षित रखा था, जिस पर आज फैसला सुनाया गया। इस मामले में सरकारी पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अजय मिसर न्यायालय में उपस्थित रहे। वहीं आरोपी पक्ष की ओर से अधिवक्ता राहुल कासलीवाल ने अपनी दलीलें पेश कीं। 29 अप्रैल को इस याचिका पर बंद कक्ष में सुनवाई हुई थी।

चीन ने 53 अफ्रीकी देशों के लिए खत्म किए टैरिफ

बीजिंग। चीन ने अफ्रीका के 53 देशों के लिए टैरिफ खत्म करने का बड़ा फैसला लिया है। यह नई पॉलिसी 1 मई 2026 यानी शुक्रवार से लागू हो गई है और 30 अप्रैल 2028 तक जारी रहेगी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने इसका ऐलान करते हुए कहा कि, चीन के साथ डिप्लोमैटिक संबंध रखने वाले देशों के प्रोडक्ट्स पर जीरो टैरिफ लगेगा। इस कदम के जरिए चीन खुद को अफ्रीका का मजबूत आर्थिक साझेदार और ओपन मार्केट वाले देश के तौर पर पेश करना चाहता है।

सहाय बने रक्षा मंत्रालय के नए वित्त सचिव

नई दिल्ली। वर्ष 1990 बैच के भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ अधिकारी विश्वजीत सहाय रक्षा मंत्रालय के नए रक्षा वित्त सचिव नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने 1 मई को रक्षा मंत्रालय में रक्षा वित्त सचिव का पद संभाला। इससे पहले वह कंट्रोलर जनरल ऑफ डिफेंस अकाउंट्स के पद पर कार्यरत थे। विश्वजीत सहाय लॉ ग्रेजुएट भी हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार सहाय के पास रक्षा वित्त और प्रशासन के क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है।

राघव के साथ भाजपा ज्वाइन करने वाले सांसद के खिलाफ दो एफआईआर

पाठक को गिरफ्तार करने दिल्ली पहुंची पंजाब पुलिस

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी छोड़कर अभी हाल ही में भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद संदीप पाठक पर पंजाब में दो एफआईआर दर्ज हुई हैं। संदीप पाठक के खिलाफ यह एक्शन पंजाब के दो अलग-अलग जिलों में हुआ है। राज्यसभा सांसद संदीप पाठक के खिलाफ दोनों ही एफआईआर गैर-जमानती धाराओं में उनके खिलाफ दर्ज हुई हैं। ऐसे में अब संदीप पाठक पर गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा है। इस बीच, संदीप पाठक अपने दिल्ली के घर से जल्दबाजी में निकलते नजर आए। करीब आठ दिन पहले राघव चड्ढा समेत सात सासंदों के साथ संदीप पाठक भी भाजपा में शामिल हुए हैं।

घर से निकल चुके थे पाठक

वहीं, पंजाब पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए दिल्ली स्थित उनके आवास तक पहुंची थी। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी तक पुलिस या संबंधित एजेंसियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बताया जा रहा है कि मामले की खबर सार्वजनिक होने से पहले ही संदीप पाठक अपने घर से निकल गए थे। एएनआई से फोन पर बात करते हुए पाठक ने कहा कि मुझे ऐसी किसी एफआईआर की कोई जानकारी नहीं है, न ही किसी पुलिस अफसर ने मुझको इस बारे में सूचित किया है। पाठक ने कहा कि यदि मेरे जैसे किसी शख्स के खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू की गई है, तो यह सिर्फ उनकी दहशत को दर्शाता है। मैं इसको लेकर और कुछ नहीं कहना चाहता।

अब आप के पास केवल 3 सांसद शेष

गौरतलब है, 24 अप्रैल 2026 को आम आदमी पार्टी (आप) के 7 राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने और विलय की मंजूरी मिलने के बाद, अब आप के पास केवल 3 सांसद शेष बचे हैं। पार्टी के प्रमुख नेताओं में संजय सिंह शामिल हैं, जबकि राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, विक्रम साहनी और नरेंद्र गुप्ता बीजेपी में शामिल हो चुके हैं।

गुप्ता के फैक्ट्रियों पर भी हुई थी छापामारी

इससे पहले उद्योगपति राजिंदर गुप्ता पर भी एक्शन हुआ है। वह भी आम आदमी पार्टी छोड़ बीजेपी में शामिल हुए हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने हाल ही में उनकी फैक्ट्रियों पर छापामारी की थी। मामला हाई कोर्ट पहुंचने पर 4 मई तक के लिए कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है।

नहीं रहे उद्योगपति दीनदयाल गुप्ता

कोलकाता। होजरी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी, डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन एमेरिटस, विख्यात उद्योगपति दीनदयाल गुप्ता का शनिवार को कोलकाता में उम्र संबंधी बीमारियों के कारण स्वर्गवास हो गया। उनका निधन कंपनी के साथ-साथ भारतीय होजरी और परिधान उद्योग के एक युग के अंत का प्रतीक है। उनके मार्गदर्शन में, डॉलर इंडस्ट्रीज 1700+ करोड़ से अधिक के बड़े व्यापारिक समूह के रूप में उभरी। हरियाणा के भिवानी जिले के मनहेरू गाँव में 13 सितंबर, 1937 को एक साधारण और बड़े परिवार में जन्मे श्री गुप्ता का जीवन दृढ़ता, जुझारूपन और बड़े सपने देखने की शक्ति का प्रमाण था। वर्ष 1962 में कोलकाता (तब कलकत्ता) आकर उन्होंने खरीदारों के बजट और आवश्यकताओं के अनुरूप होजरी उत्पादों का निर्माण और बिक्री शुरू की। गुप्ता के परिवार में उनकी पत्नी, चार बेटे और पोते-पोतियां हैं, जो वर्तमान में डॉलर इंडस्ट्रीज के व्यापारिक साम्राज्य का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने निर्माण और फिनिशिंग सुविधाओं के समानांतर विकास, बिक्री केंद्रों और खुदरा विक्रेताओं के नेटवर्क के निर्माण और अन्य कंपनियों द्वारा उपेक्षित बाजारों के प्रत्यक्ष विकास के माध्यम से इसे संभव बनाया।

बाजमांडू जंगल में आतंकी ठिकाना ध्वस्त, हथियारों का जखीरा जब्त

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने एक गुप्त आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ करते ही आतंकवाद के मुद्दे पर बड़ी सफलता हासिल की है। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई जिले के चतरू इलाके में एक विशेष तलाशी अभियान के दौरान की गई। सुरक्षा बलों ने सिगड़ी भाटा क्षेत्र के बाजमांडू जंगल में छिपे इस ठिकाने को ढूंढ निकाला, जिससे क्षेत्र में सक्रिय आतंकी गतिविधियों को बड़ा झटका लगा है। जांच में यह बात सामने आई है कि यह ठिकाना एक खूंखार आतंकवादी कमांडर का था, जिसे सेना ने पहले ही एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया है।

सुरक्षाबलों को मिली कामयाबी

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह ठिकाना आतंकियों द्वारा हथियार और विस्फोटक छिपाने के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल के रूप में उपयोग किया जा रहा था। तलाशी के दौरान बरामद किए गए हथियारों और रसद का जखीरा सुरक्षा बलों की सतर्कता को दर्शाता है।

कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता

बरामद हुए खतरनाक हथियार

सुरक्षाबलों द्वारा जब्त किए गए हथियारों की बात करें तो इसमें मैगजीन के साथ एक कार्बाइन बंदूक एक पिस्तौल, एक अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (यूबीजीएल), 51 मिमी का रॉकेट, चार डेटोनेटर लगभग एक किलोग्राम विस्फोटक, 9 मिमी के 97 कारतूस और 7.62 मिमी के 18 कारतूस मिले हैं। इसके अलावा ये भी बताया गया कि एक स्लिंग और संचार के लिए एक केनवुड रेडियो सेट व दो मोटोरोला रेडियो सेट छापेमारी के स्थल से बरामद हुआ है।

सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता

अधिकारियों का मानना है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक और रेडियो सेट की बरामदगी से किसी संभावित साजिश को नाकाम कर दिया गया है। फिलहाल, सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में घेराबंदी कर दी है और अन्य संदिग्ध ठिकानों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी रखा है।

ऑपरेशन ग्लोबल हंट: सीबीआई को मिली बड़ी कामयाबी

करोड़ों की वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप, इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था

यूएई से भारत लाया गया भगोड़ा कमलेश पारेख

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अहम सफलता मिली है।

कमलेश पारेख

लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी कमलेश पारेख को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। 1 मई को पारेख को भारत लाया गया, जहां दिल्ली पहुंचते ही सीबीआई ने उन्हें हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई भारत सरकार के 'ऑपरेशन ग्लोबल हंट' के तहत विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ समन्वय में अंजाम दी गई। पारेख के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जिसके आधार पर उसे यूएई में ट्रैक कर हिरासत में लिया गया। भारत के औपचारिक अनुरोध और दोनों देशों के बीच कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे भारतीय एजेंसियों को सौंप दिया गया।

कई बैंकों के साथ की धोखाधड़ी

जांच एजेंसियों के अनुसार, कमलेश पारेख पर बड़े पैमाने पर बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप है। इस घोटाले में देश के कई बैंकों के समूह को भारी नुकसान हुआ, जिसकी अगुवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) कर रहा था। अनुमान है कि इस मामले में सैकड़ों करोड़ रुपये की रकम का दुरुपयोग किया गया। सीबीआई की जांच में सामने आया है कि पारेख ने अन्य प्रमोटरों और निदेशकों के साथ मिलकर बैंक से लिए गए फंड को विदेशों में स्थित कंपनियों के जरिए डायवर्ट किया।

150 से अधिक वांछित अपराधियों का भारत लाया गया

सीबीआई, जो भारत में इंटरपोल के लिए नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के रूप में कार्य करती है, 'भारतपोल' प्लेटफॉर्म के जरिए देश की विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करती है। इसी सहयोग का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल चैनलों के माध्यम से 150 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया जा चुका है। यह ताजा कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच मजबूत सहयोग का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण मानी जा रही है।

पारेख का कई देशों में कारोबार

आरोपी ने यूएई सहित कई देशों में फैले अपने कारोबारी नेटवर्क का इस्तेमाल कर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। जांच एजेंसियां अब उससे पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने में जुटी हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

23 अवैध बंकर नष्ट किए, 18 आईईडी सहित हथियार जब्त

एजेंसी ▶▶| इंफाल

सुरक्षा बलों ने अलग-अलग अभियानों में मणिपुर के उखरुल जिले में अवैध रूप से निर्मित 23 बंकर नष्ट कर दिए है और तेंगनौपाल जिले में 18 आईईडी बरामद किए हैं। पुलिस ने शनिवार को एक बयान में कहा कि लिटन पुलिस थाना क्षेत्र के मोंगकोट चेपू, शोंगफेल, मुल्लम, सिराराखोंग और रिंगु के पहाड़ी गांवों में गुरुवार को बंकर नष्ट किए गए।

बयान में बताया गया कि 12 बोर की एक 'पंप-एक्शन शॉटगन', 17 कारतूस और 111 खोखे भी जब्त किए गए। इस साल फरवरी में उखरुल जिले में तंगखुल नगा और

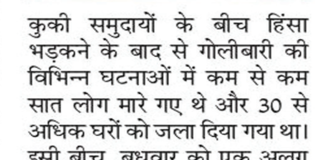

कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़कने के बाद से गोलीबारी की विभिन्न घटनाओं में कम से कम सात लोग मारे गए थे और 30 से अधिक घरों को जला दिया गया था। इसी बीच, बुधवार को एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह पुलिस थाने क्षेत्र के टी बोंगमोल गांव में हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा जब्त किया।

सम्पादकीय

रोमांच बना मौत का सफर, क्या सिर्फ प्रतिबंध से खत्म होगी लापरवाही?

सवाल है कि नौकाओं के संचालकों के लिए क्या यह नियम जरूरी नहीं होना चाहिए कि टिकट लेने वाले लोगों के साथ उनके बच्चों की संख्या भी दर्ज की जाए, ताकि आपात स्थिति में सुरक्षा बंदोबस्त में कोई कमी न रहे? मध्य प्रदेश में जबलपुर के बरगी बांध में एक क्रूज नाव के पलटने से हुए हादसे की त्रासदी ने एक बार फिर नागरिक सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हादसे ने नाव पर सवार होकर रोमांच महसूस करने के कई लोगों के उत्साह को मातम में बदल दिया। हैरानी इस बात की है कि दुर्घटना के बाद प्रशासन के पास नाव में सवार कुल लोगों की सटीक जानकारी तक नहीं थी। अधिकारियों ने टिकटों की संख्या के आधार पर आंकड़ा जारी कर दिया, जबकि कई लोगों के साथ उनके बच्चे भी नाव पर सवार थे। सवाल है कि नौकाओं के संचालकों के लिए क्या यह नियम जरूरी नहीं होना चाहिए कि टिकट लेने वाले लोगों के साथ उनके बच्चों की संख्या भी दर्ज की जाए, ताकि आपात स्थिति में सुरक्षा बंदोबस्त में कोई कमी न रहे? दूसरी ओर ऐसी खबरें भी आई हैं कि दुर्घटना की शिकार हुई नौका पर पहले से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और न ही स्थानीय मौसम के पूवार्नुमान की कोई व्यवस्था थी। ऐसे में इसे व्यवस्थागत लापरवाही नहीं तो और क्या कहा जाएगा। गौरतलब है कि गुरुवार को बरगी बांध में एक क्रूज नौका तेज आंधी की चपेट में आकर पलट गई थी। इस दुर्घटना में अब तक नौ लोगों के शव बरामद हो चुके हैं, जबकि कुछ लोग अब भी लापता हैं। हादसे में जीवित बचे लोगों का दावा है कि नौका पर सवार किसी भी यात्री ने जीवन रक्षक जैकेट नहीं पहनी थी। जब आपात स्थिति महसूस हुई, तभी वे यात्रियों में वितरित करने की कोशिश की गई, लेकिन कुछ लोगों को इन्हें पहनने का मौका ही नहीं मिला। सवाल है कि जो नियम नौका चालकों को प्रशिक्षण के दौरान अनिवार्य रूप से सिखाए जाते हैं, अगर उन्हें ही नजरअंदाज कर दिया जाए, तो यह सीधे तौर पर लापरवाही को उजागर करता है। यही नहीं, जल पर्यटन के इस क्षेत्र में मौसम पूवार्नुमान की व्यवस्था न होना भी सवाल खड़े करती है। राज्य सरकार ने हादसे के बाद क्रूज नावों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन क्या सिर्फ इस कदम से ऐसी दुर्घटनाओं पर पूरी तरह रोक पाएगी। ऐसे में सभी राज्यों को चाहिए कि इस हादसे से सबक लेकर तमाम व्यवस्थाओं में सुधार किया जाए।

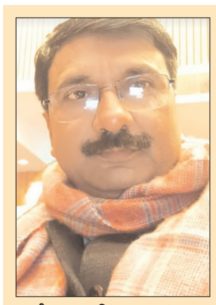

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

आईसीयू के अमानवीय एवं अनैतिक पक्षों की निगरानी जरूरी

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। निश्चित तौर पर आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था में सेवा का भाव न होकर व्यवसाय की भावना का अधिक होना चिन्ताजनक है। इसी के कारण इसमें अनेक विसंगतियां एवं क्रूरताएं व्याप्त होती जा रही है, इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। वास्तव में आईसीयू एक विशेष सुविधा है, जिसका उपयोग केवल उन मरीजों के लिए होना चाहिए जिनकी स्थिति गंभीर हो और जिन्हें निरंतर निगरानी या अत्याधुनिक उपकरणों की आवश्यकता हो। किंतु जब इस सुविधा का उपयोग लाभ कमाने के साधन के रूप में होने लगे, तब यह व्यवस्था एक प्रकार की अमानवीयता में परिवर्तित हो जाती है।

ललित गर्ग

देश में स्वास्थ्य सेवा की वर्तमान स्थिति पर विचार करते समय एक अत्यंत चिंताजनक, मानवीय और संवेदनशील प्रश्न सामने आता है-क्या चिकित्सा अब सेवा न रहकर व्यवसाय का कठोर रूप एवं एक त्रासदी बनती जा रही है? विशेष रूप से निजी अस्पतालों के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) से जुड़े मामलों ने इस प्रश्न को और अधिक तीखा बना दिया है। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां मरीज के चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो जाने के बावजूद उसे आईसीयू में रोके रखा जाता है। इसके पीछे का कारण अक्सर चिकित्सा की अनिवार्यता नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ की निरंतर चलती प्रक्रिया होती है। यह स्थिति न केवल चिकित्सा के नैतिकता एवं सेवाभावना पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि मानवता की मूल संवेदनाओं को भी झकझोरती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आईसीयू के लिए एकसमान दिशानिर्देशों की आवश्यकता पर बल देना इस गंभीर समस्या की स्वीकारोक्ति भी है और समाधान की दिशा में एक सार्थक पहल भी। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जो मरीज चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके हैं या जिन्हें गहन निगरानी अथवा जीवन रक्षक उपकरणों की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से आईसीयू में नहीं रखा जाना चाहिए। यह निर्देश केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे नैतिक आधार पर टिका हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा और पीड़ा का निवारण है, न कि आर्थिक लाभ का अधिकतमकरण।

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। निश्चित तौर पर आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था में सेवा का भाव न होकर व्यवसाय की भावना का अधिक होना चिन्ताजनक है। इसी के कारण इसमें अनेक विसंगतियां एवं क्रूरताएं व्याप्त होती जा रही है, इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। वास्तव में आईसीयू एक विशेष सुविधा है, जिसका उपयोग केवल उन मरीजों के लिए होना चाहिए जिनकी स्थिति गंभीर हो और जिन्हें निरंतर निगरानी या अत्याधुनिक उपकरणों की आवश्यकता हो। किंतु जब इस सुविधा का उपयोग लाभ कमाने के साधन के रूप में होने लगे, तब यह व्यवस्था एक प्रकार की अमानवीयता में परिवर्तित हो जाती है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आईसीयू का खर्च अक्सर असहनीय होता है। एक दिन का खर्च हजारों से लेकर लाखों तक पहुंच सकता है। ऐसे में यदि मरीज को अनावश्यक रूप से वहां रोका जाता है, तो यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक उत्पीड़न भी है। यह स्थिति इसलिए भी जटिल हो जाती है क्योंकि आमजन को चिकित्सा प्रक्रियाओं की गहन जानकारी नहीं होती। मरीज के परिजन डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के निदेशों पर पूरी तरह निर्भर होते हैं। इस निर्भरता का दुरुपयोग तब होता है जब पारदर्शिता का अभाव होता है। कई बार मरीज को वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं कराया जाता और उसे आईसीयू में बनाए रखने के निर्णय को अंतिम सत्य की तरह प्रस्तुत कर दिया जाता है। इस प्रकार एक अस्पष्टता का वातावरण बनता है, जिसमें सत्य और लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है।

यदि हम इस समस्या की जड़ में जाएं, तो पाएंगे कि यह केवल अस्पतालों या डॉक्टरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक व्यवस्थागत विफलता का परिणाम है। आजादी के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सरकार के अधीन रखकर यह अपेक्षा की गई थी कि ये क्षेत्र जनसेवा के आदर्श उदाहरण बनेंगे। किंतु समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और निजीकरण के प्रभाव ने इन क्षेत्रों की दिशा बदल दी। शिक्षा जहां एक महंगा व्यवसाय बन गई, वहीं चिकित्सा सेवा भी धीरे-धीरे लाभ कमाने का माध्यम बनती चली गई। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि आज चिकित्सा क्षेत्र में एक प्रकार की व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा चल रही है, जिसमें मरीज एक ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। बड़े-बड़े निजी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर तेजी से बढ़ रहे हैं, जो एक दृष्टि से सकारात्मक है, लेकिन जब इन सुविधाओं का उपयोग केवल आर्थिक लाभ के लिए होने लगे, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। अस्पतालों की संख्या बढ़ना अच्छा है, लेकिन उनकी कार्यप्रणाली में लोभ की प्रवृत्ति का बढ़ना जहां गहन घातक है, वही उसमें मानवीय संवेदना और नैतिकता का समावेश होना अधिक आवश्यक है। इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देश एक आशा की किरण के रूप में सामने आते हैं। इन दिशानिर्देशों में न केवल मरीजों के अधिकारों की रक्षा की बात की गई है, बल्कि अस्पतालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। नर्स और मरीज के अनुपात, विशेषज्ञों की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयास स्वास्थ्य सेवा को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और न्यायसंगत बनाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर सकता है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी नीति या दिशानिर्देश की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। भारत में अनेक बार देखा गया है कि अच्छे इरादों से बनाई गई योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती हैं। यदि इन दिशानिर्देशों का पालन भी आधे-अधूरे मन से किया गया, तो यह प्रयास भी अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पाएगा।

इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, पर्याप्त वित्तीय संसाधन और मजबूत प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता होगी। साथ ही यह भी आवश्यक है कि इस पूरी प्रक्रिया में मानवीय दृष्टिकोण को केंद्र में रखा जाए। आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहना केवल आर्थिक बोझ नहीं, बल्कि मानसिक पीड़ा का भी कारण होता है। मरीज और उसके परिवार दोनों ही एक अनिश्चितता और भय के वातावरण में जीते हैं। ऐसे में यदि मरीज को उसकी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार उचित वार्ड में स्थानांतरित किया जाता है, तो यह न केवल खर्च को कम करता है, बल्कि उसे मानसिक राहत भी प्रदान करता है। वर्ष 2047 तक एक विकसित और सशक्त भारत का सपना देखते हुए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था केवल तकनीकी रूप से उन्नत ही न हो, बल्कि नैतिक और मानवीय दृष्टि से भी समृद्ध हो। चिकित्सा सेवा का मूल स्वरूप करुणा, सेवा और संवेदना पर आधारित होना चाहिए। यदि यह आधार कमजोर हो जाता है, तो सारी आधुनिकता और प्रगति भी अधूरी रह जाती है। अंततः यह कहा जा सकता है कि आईसीयू से जुड़े दिशानिर्देश केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक नैतिक पुनर्जागरण का संकेत हैं। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करते हैं कि क्या हम वास्तव में एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जो मानवता के मूल्यों के अनुरूप हो। यदि इस दिशा में ठोस और ईमानदार प्रयास किए गए, तो निश्चित रूप से यह पहल भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

प्रदेश के विकास का एक्सप्रेस वे बनेगा गंगा एक्सप्रेस वे

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में अवस्थापना विकास के क्रम में निर्मित गंगा एक्सप्रेस वे आम जनमानस के लिए खुल रहा है जिसे प्रदेश के विकास में मील का पत्थर माना जा रहा है। 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेस वे प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र (दिल्ली-एनसीआर) को पूर्वी क्षेत्र से जोड़ने वाला पहला सीधा हाई स्पीड एक्सप्रेस वे है। इस परियोजना पर 36,230 करोड़ की लागत आई है। यह एक्सप्रेस वे मेरठ के बिजौली गाँव से प्रारंभ होकर बुलंदशहर, हापुड़, अमरोहा, शाहजहांपुर, संभल, बंदायू, उन्नाव, हरदोई, प्रतापगढ़, रायबरेली होते हुए प्रयागराज जिले के जुडापुर दांदू गांव तक जाएगा। इस एक्सप्रेस वे के प्रारंभ हो जाने के बाद देश के एक्सप्रेस वे नेटवर्क में यूपी की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत हो जाएगी और परियोजनाओं की कुल लंबाई 1910 किमी हो जाएगी। छह लेन का यह एक्सप्रेस वे पूरी तरह ग्रीनफील्ड व एक्सेस-कंट्रोल्ड है। इसमें 3.75 मीटर चौड़ी सर्विस रोड, 17 टोल प्लाजा 8 मुख्य पुल और 381 अंडरपास शामिल हैं।

यह भारत का पहला ऐसा एक्सप्रेस है जिस पर होटल, ढाबा और ईवी चार्जिंग स्टेशन से लेकर अस्पताल तक बनाए गए हैं। इस एक्सप्रेस वे पर विश्वस्तरीय फूड चेन और मोटेल तक की सुविधाएं मिलेगी। 594 किमी लंबे इस एक्सप्रेस वे का 80 प्रतिशत निर्माण अडानी इंटरप्राइजेज ने किया है। अडानी ने प्रयागराज से बदायूं तक 464 किमी लंबा एक्सप्रेस वे बनाया है जबकि शेष 20 प्रतिशत आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर ने बनाया है। एक्सप्रेस वे मतल्टीनेशनल चेन भी उपलब्ध- एक्सप्रेस वे पर लखनऊ के खानपान और चिकनकारी की झलक दिखाई पड़ेगी। इस वे पर एक बड़ा डाइनिंग फूड एरिया विकसित किया गया है। पहली बार किसी एक्सप्रेस वे पर ट्रक लेन बनाया गया है। मोटेल भी तैयार हो गया है जहां विश्राम के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त कमरे उपलब्ध हैं। स्टारबक्स जैसे बड़े ब्रांड के साथ गंगा भोग ढाबा भी है। इसमें लोकप्रिय मुरथल ढाबे को लाने का भी प्रयास चल रहा है। यहां पर एक ट्रामा सेन्टर भी तैयार किया गया है। एक्सप्रेस वे पर सुविधा केंद्रों में बच्चों के लिए चिल्ड्रन प्ले एरिया भी बनाया गया है जहां बच्चों के

खेलने के लिए झूला पार्क भी बनाया गया है।ड्राइवरों के लिए भी अलग-अलग विश्राम एरिया बनाया गया है। हर क्षेत्र में वाहनों के लिए सर्विस सेंटर बनाया गया है। यह एक्सप्रेस वे 12 जिलों को जोड़ते हुए प्रयागराज से मेरठ की दूरी मात्र 6 घंटे में समेट देगा। वाहनों की 120 किमी प्रति घंटा गति, एयर स्ट्रिप, हाईटेक टोल और दुर्घटना रोकने वाली अलर्ट स्ट्रिप्स जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस यह एक्सप्रेस वे प्रदेश की कनेक्टिविटी के परिदृश्य को बदलकर रख देगा।

वायुसेना के लिए भी अहम बनेगा एक्सप्रेस वे- यह एक्सप्रेस वे नागरिकों का सफर आसान बनाने के साथ ही भारतीय वायुसेना की ताकत भी बनने वाला है। एक्सप्रेस वे पर शाहजहांपुर के जलालाबाद में 3.5 किमी की हवाई पट्टी का भी निर्माण किया गया है। आपातकालीन स्थिति व युद्ध होने पर रणनीतिक तौर पर यह हवाई पट्टी लड़ाकू विमानों के उतरने व उड़ान भरने के लिए भी इस्तेमाल की जा सकेगी। इस हवाई पट्टी का निर्माण सभी प्रकार के लड़ाकू व परिवहन विमानों के हिसाब से किया गया है। इस पर राफेल सुखोई-0 एमकेआई मिराज 2000 जगुआर और मिग 29 जैसे लडाकू और सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस और एएन -32 जैसे वायुसेना के विमान उतरने के साथ-साथ उड़ान भी भर सकेंगे। इस पर रात में भी लड़ाकू विमानो के उतरने और उड़ान भरने की सुविधा होगी। इसके लिए एक्सप्रेस वे पर प्रीसिजन अप्रोच लाइंटिंग सिस्टम व उन्नत नेविगेशन सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही इाई इंटेसिटी रनवे लाइटिंग का उपयोग किया गया है। हवाई पट्टी की सुरक्षा के लिए 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जो किसी भी आपातकालीन स्थिति पर नजर रखने के लिए सहायक हैं। इस एक्सप्रेस वे का संचालन पूरी तरह आरम्भ हो जाने के बाद 12 जिलों के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी जिससे क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा पलायन कम होगा। प्रदेश सरकार की योजना इसके किनारे 27 औद्योगिक क्लस्टर बनाने की है जिसके लिए भूमि का अधिग्रहण हो चुका है और आवंटन चल रहा है। इससे रसद आपूर्ति, खाद्य प्रसंस्करण वस्त्र उद्योग और विनिर्माण क्षेत्र को नई ऊर्जा मिलेगी। मेरठ के खेल उद्योग, हापुड़ के हथकरघा, बंदायू के जरी जरदोजी और प्रयागराज के कृषि उत्पादों को अब दिल्ली और पूर्वांचल के बाजारो तक पहुंचना आसान होगा।

प्रमुख विशेषताएं- इस एक्सप्रेस वे की पूरी सड़क पर जल संचयन प्रणाली लगाई गई है ताकि वर्षा का जल सीधे जमीन के अंदर जाए और भूजल स्तर पर बना रहे। यह भारत का सबसे लंबा निरंतर नियंत्रित प्रवेश एक्सप्रेस वे है जहां आवारा पशुओं व स्थानीय यातायत के अनियंत्रित प्रवेश को पूरी तरह से रोका गया है। यह परियोजना टिकाऊ इंजीनियरिंग का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसके निर्माण में भारी मात्रा में कोयले की राख का उपयोग किया गया है जो प्रदूषणा कम करने में सहायक है। पहले सभ्यताएं नदियों के किनारे बसती थीं किंतु अब एक्सप्रेस वे के किनारे होती हैं इसे ध्यान मे रखते हुए एक्सप्रेस वे किनारे 18 लाख से अधिक पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। गंगा एक्सप्रेस वे के निर्माण की गुणवत्ता को एक्सीलेंट रेटिंग मिली है।

विशिष्ट सुरक्षा तकनीक भी- यहां पर विशिष्ट सुरक्षा तकनीक का प्रयोग किया गया है। सड़क के दोनों किनारों पर व्हाइट एलर्ट स्ट्रिप लगाई गई है। यदि किसी चालक को झपकी आ जाए और वाहन इन स्ट्रिप पर चढ़ जाए तो तेज कंपन और आवाज पैदा होगी जिससे चालक तुरंत सतर्क हो जाएगा और दुर्घटना टल जाएगी। इस सड़क पर चलने के दौरान झटके और कंपन महसूस नही होंगे।

मंदिर आर्थिकी व पर्यटन को गति मिलेगी- गंगा एक्सप्रेस वे का निर्माण हो जाने के बाद अब मंदिर आधारित आर्थिकी व पर्यटन को भी गति मिलेगी। यह एक्सप्रेस वे यात्रा को ही आसान नहीं करेगा अपितु प्रदेश में आध्यात्मिक व धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा।

लघुकथा

हाथी और गौरैया

किसी पेड़ पर एक गौरैया अपने पति के साथ रहती थी। वह अपने घोंसले में अंडों से चूजों के निकलने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी। एक दिन की बात है गौरैया अपने अंडों को से रही थी और उसका पति भी रोज की तरह खाने के इन्तेजाम के लिए बाहर गया हुआ था। तभी वहां एक गुस्सैल हाथी आया और आस-पास के पेड़ पौधों को रौंदते हुए तोड़-फोड़ करने लगा। उसी तोड़ फोड़ के दौरान वह गौरैया के पेड़ तक भी पहुंचा और उसने पेड़ को गिराने के लिए उसे जोर-जोर से हिलाया, पेड़ को काफी मजबूत था इसलिए हाथी पेड़ को तो नहीं तोड़ पाया और वहां से चला गया, लेकिन उसके हिलाने से गौरैया का घोसला टूटकर नीचे आ गिरा और उसके सारे अंडे फूट गए। गौरैया बहुत दुखी हुयी और जोर जोर से रोने लगी, तभी उसका पति भी वापस आ गया, वह भी बेचारा बहुत दुखी हुआ और उन्होंने हाथी से बदला लेने और उसे सबक सिखाने का फैसला किया। वे अपने एक मित्र; जो कि एक कठफोड़वा था; के पास पहुंचे और उसे सारी बात बताई। वे हाथी से बदला लेने के लिए कठफोड़वा की मदद चाहते थे। उस कठफोड़वा के दो अन्य दोस्त थे; एक मधुमक्खी और एक मेंढक। उन्होंने मिलकर हाथी से बदला लेने की योजना बनाई। तय योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने काम शुरू किया। उसने हाथी के कान में गाना गुनगुनाना शुरू किया। हाथी को उस संगीत में मजा आने और जब हाथी संगीत में डूबा हुआ था, तो कठफोड़वा ने अगले चरण पर काम करना शुरू कर दिया। उसने हाथी की दोनों आँखें फोड़ दी। हाथी दर्द से कराहने लगा। उसके बाद मेंढक अपनी पलटन के साथ एक दलदल के पास गया और सब मिलकर टरार्ने लगे। मेंढकों का टरार्ना सुनकर हाथी को लगा कि पास में ही कोई तालाब है। वह उस आवाज की दिशा में गया और दलदल में फंस गया। इस तरह से हाथी धीरे-धीरे दलदल में फंस गया और मर गया।

कहानी

ढोल

किसी गरीब औरत के एक बेटा था। पैसे वालों के यहाँ चौका-बासन करके वह अपना और बेटे का पेट पालती थी। बेटे को वह कभी ढंग के कपड़े नहीं पहना सकी और न ही कभी उसके लिए खिलौना ला सकी। एक दिन चौका-बासन के बदले मिले अनाज को हाट में बेचने जाते समय उसने बेटे से पूछा, बोल, तेरे लिए हाट से क्या लाऊँ? बेटे ने झट जवाब दिया, ढोल! माँ, मेरे लिए एक ढोल ले आना! माँ जानती थी कि उसके पास कभी इतने पैसे नहीं होंगे कि वह बेटे के लिए ढोल खरीद सके। वह हाट गई, वहाँ अनाज बेचा और उन पैसों से कुछ बेसन और नमक खरीदा। उसे दुख था कि वह बेटे के लिए कुछ नहीं ला पाई। वापस आते हुए रास्ते में उसे लकड़ी का एक सलौना टुकड़ा दिखा। उसने उसे उठा लिया और आकर बेटे को दे दिया। बेटे के कुछ समझ में नहीं आया कि उसका वह क्या करे। फिर भी वह खेलने के लिए गया तो उसे अपने साथ ले गया। एक बुढ़िया चूल्हे में उपले जलाने की कोशिश कर रही थी, पर सीले उपलों ने आग नहीं पकड़ी। चारों तरफ धुआँ ही धुआँ हो गया। धुएँ से बुढ़िया की आँखों में पानी आ गया। लड़का रुका और पूछा कि वह रो क्यों रही है। बुढ़िया ने कहा कि चूल्हा नहीं जल रहा है। चूल्हा नहीं जलेगा तो वह रोटी कैसे बनाएगी! लड़के ने कहा, मेरे पास लकड़ी का टुकड़ा है। चाहो तो उससे आग जला लो! बुढ़िया बहुत खुश हुई। उसने चूल्हा जलाया, रोटियाँ बनाईं और एक रोटी लड़के को दी। रोटी लेकर वह चल पड़ा। चलते-चलते उसे एक कुम्हारिन मिली। उसका बच्चा मिट्टी में लोटते हुए जोर-जोर से रो रहा था। लड़का रुका और पूछा कि वह रो क्यों रहा है। कुम्हारिन ने कहा कि वह भूखा है और घर में खाने को कुछ नहीं है। लड़के ने अपनी रोटी बच्चे को दे दी। बच्चा चुप हो गया और बगर-बगर खाने लगा। कुम्हारिन ने उसका बहुत गुन माना और एक घड़ा दिया। वह आगे बढ़ा। चलते-चलते वह नदी पर पहुँचा। वहाँ उसने धोबी और धोबिन को झगड़ते हुए देखा। लड़के ने रुककर धोबी से चिल्लाने और धोबिन को पीटने का कारण पूछा। धोबी ने कहा, पीटूँ नहीं तो क्या करूँ? ससुरी ने घड़ा फोड़ दिया! अब मैं कपड़े किस में उबालूँ? लड़के ने कहा, झगड़ा मत करो! मेरा घड़ा ले लो! इतना बड़ा घड़ा पाकर धोबी खुश हो गया। बदले में उसने लड़के को एक कोट दिया। कोट लेकर लड़का चल पड़ा। चलते-चलते वह एक पुल पर पहुँचा। वहाँ उसने एक आदमी को ठंड से ठिठुरते हुए देखा। बेचारे के शरीर पर कुर्ता तक नहीं था। लड़के ने उससे पूछा कि उसका कुर्ता कहाँ गया। आदमी ने बताया, मैं इस घोड़े पर बैठकर शहर आ रहा था। रास्ते में डाकुओं ने सब छीन लिया। और तो और, कुर्ता तक उतरवा लिया। लड़के ने कहा, चिंता मत करो! लो, यह कोट पहन लो! आदमी ने कोट लेते हुए कहा, तुम बहुत भले हो। मैं तुम्हें यह घोड़ा भेंट करता हूँ। लड़के ने घोड़ा ले लिया। थोड़ा आगे उसने एक बारात को देखा। लेकिन दूल्हा, बराती, गाने-बजाने वाले सब मुँह लटकाए हुए पेड़ के नीचे बैठे थे। लड़के ने पूछा कि वे उदास क्यों हैं। दूल्हे के पिता ने कहा, हमें लड़की वालों के यहाँ जाना है, पर दूल्हे के लिए घोड़ा नहीं है। जो घोड़ा लेने गया वह अभी तक लौटा नहीं। दूल्हा पैदल तो चलने से रहा! पहले ही बहुत देर हो गई है। कहीं विवाह का मुहूर्त न निकल जाए! लड़के ने उन्हें अपना घोड़ा दे दिया। सबकी बाँछें खिल गईं। दूल्हे ने लड़के से पूछा कि वह उसके लिए क्या कर सकता है। लड़के ने कहा, कुछ खास नहीं। आप मुझे यह ढोल दिला दें! दूल्हे ने ढोल बजाने वाले से उसे ढोल दिला दिया। लड़का भागा-भागा घर पहुँचा और ढोल बजाते हुए माँ को बताया कि उसकी दी लकड़ी से उसने ढोल कैसे प्राप्त किया।

सामान, सम्मान और वक़्त

संतोष उत्सुक

(व्यंग्य)

वास्तव में अगर किसी तरह का स्वार्थ न हो किसी को कुछ भी कैसे दिया जा सकता है तभी वर्तमान में सम्मान का दर्ज किया जाना जरूरी हो गया है। वांछित व्यक्ति को खाने का सामान या नकद नहीं देना चाहते या नहीं दे सकते तो प्रशंसा को कागज पर लिखकर दे सकते हैं या फिर माला पहना सकते हैं।

इंसान कभी डर कर नहीं रहा हांलाकि बुरा वक़्त बिना बताए आकर समझाता जरूर है। साहिर लुधियानवी ने कई दशक पहले समझाया था, आदमी को चाहिए वक़्त से डर कर रहे, कौन जाने किस घडी वक़्त का बदले मिजाज'। भुलक्कड़ आदमी ऐसी महत्त्वपूर्ण बातों को कहां याद रख पाता है। कभी कभार बातचीत के दौरान मान जरूर लेता है कि वक़्त बहुत कीमती है और हर इंसान के समय का महत्त्व है। एक बार मिली जिंदगी में सामान और सामान इकट्ठा करना ही नहीं, आपसी सहयोग, सदभाव, सम्मान करना ज्यादा जरूरी

है। राजनीति का सम्मान करने के अभ्यस्त लोगों ने वोट के साथ साथ मेहनत, कर्मठता, समर्पण को भी सामान समझना शुरू कर दिया है। वास्तव में अगर किसी तरह का स्वार्थ न हो किसी को कुछ भी कैसे दिया जा सकता है तभी वर्तमान में सम्मान का दर्ज किया जाना जरूरी हो गया है। वांछित व्यक्ति को खाने का सामान या नकद नहीं देना चाहते या नहीं दे सकते तो प्रशंसा को कागज पर लिखकर दे सकते हैं या फिर माला पहना सकते हैं। अब यह लेने वाले की मर्जी है कि अखबार में सम्मान से सम्बंधित छपी फोटो को भी देखता रहे, कभी मनपसंद भूख लगे तो इसे चाट भी ले। ताली बजाना भी सम्मान देने का स्वास्थ्यवर्धक तरीका है, जितनी देर बजाते हैं व्यायाम भी होता रहता है। सम्मानित हो रहे व्यक्ति के सामने ताली बजा दी जाए तो उसका उत्साह भी बढ़ जाता है। संभावना है इससे भूख भी कम लगती होगी। भविष्य में विशाल भव्य मूर्तियों को ऐसा बनाया जा सकता है कि इनके पड़ोस में काफी देर खड़े होकर भजन कीर्तन करने से कई दिन भूख न लगने का प्रभाव पैदा हो जाए। ऐसा प्रावधान भी हो कि खास मूर्ति को चाटने से, एक सप्ताह तक कुछ भी खाने की जरूरत न पड़े।

सम्मान या सामान सब को नहीं दिया जा सकता। कई बार सुपात्र को अनदेखा पड़ता है और आपसी संबंधों की कद्र करने वालों को सम्मान और सामान, समान रूप से देने पड़ते हैं। रिश्तों को सामान समझने वाले सम्मान पाने वालों की होड़ में भी आगे बढ़ते देखे जाते हैं। आजकल सामान से ज्यादा सम्मान देने की परम्परा है। राष्ट्रीय स्तर की बात करना तो बड़ी बात होगी नगर स्तरीय सम्मान भी सामने वाले का बढ़िया वक़्त देखने के बाद दिया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आग्रह कर तालियां बजवानी पड़ती हैं लेकिन अब मेहनत, कर्मठता, समर्पण के नाम पर कहीं भी तालियां बजाने का समय है। जिनके सम्मान में तालियां बजाई जाती हैं उन्हें अच्छा लगता है लेकिन वक़्त निकल या बदल जाने के बाद भी सम्मान जारी रहेगा यह पता नहीं होता। वक़्त की किताब में दर्ज है, सामान की वास्तविकता में डूबे हुए सब नंगे हैं लेकिन एक दूसरे से कह रहे हैं, देखो, हमने एकता, समानता, सदभाव के कितने रंग बिरंगे स्वच्छ, सुगन्धित भव्य वस्त्र पहन रखे हैं। भरोसा, यकीन, विशवास, वायदे, मुस्कुराहटों के सहारे वंचित वर्ग को जिलाए रखना ही उनका सम्मान हो गया है लेकिन साहिर ने कुछ और भी कहा है, वक़्त है फूलों की सेज, वक़्त है कांटों का ताज'। हर लम्हा बदलते वक़्त का पता नहीं चलता किसके लिए कैसा वक़्त लेकर आए।

मैनपुरी में एक्सप्रेस-वे भूमि अधिग्रहण अटका
डीएम ने जमीन पर बैठकर सुनी किसानों की बात

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी में लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए भूमि अधिग्रहण का मामला सर्किल रेट पर अटका हुआ है। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने कुर्सी छोड़कर जमीन पर बैठकर किसानों से सीधा संवाद किया। इस पहल का उद्देश्य प्रशासन और ग्रामीणों के बीच की दूरी को कम करना था। यह संवाद ग्राम मुड़ई के प्राथमिक विद्यालय में आयोजित चौपाल में हुआ। जिलाधिकारी ने मुड़ई, पटना टिलुआ और दुर्जनपुर गांवों के किसानों की समस्याएं सुनीं। इन तीनों गांवों में लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए लगभग 42 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना है, लेकिन किसान अभी बैनामा करने को तैयार नहीं हैं।

किसानों ने स्पष्ट किया कि उन्हें एक्सप्रेस-वे निर्माण से कोई आपत्ति नहीं है। उनकी मुख्य शिकायत यह है कि उनकी जमीन का सर्किल रेट पड़ोसी गांवों की तुलना में कम आंका जा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि पटना टिलुआ के पास टोडरपुर में सर्किल रेट 40 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर है, जबकि उनके गांव में यह 30 लाख रुपये है।

इसी प्रकार, मुड़ई के पास हुसैनपुर में 50 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर का रेट है, जबकि मुड़ई में यह केवल 30 लाख रुपये है। दुर्जनपुर में भी ऐसी ही स्थिति है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से अनुरोध किया कि यदि सर्किल रेट बढ़ाकर पड़ोसी गांवों के बराबर कर दिया जाए, तो वे तुरंत अपनी जमीन का बैनामा करने को तैयार हैं। उनकी मुख्य मांग उचित मूल्य प्राप्त करना है। जिलाधिकारी ने मौके पर ही किसानों को आश्वासन दिया कि वे यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के अधिकारियों से बात कर सर्किल रेट के इस अंतर को दूर करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि किसी भी किसान को नुकसान न हो और उसे उसकी जमीन का उचित मूल्य मिले।

चौपाल के दौरान खतौनी में गलत नाम दर्ज होने का एक अन्य मुद्दा भी सामने आया। इस पर जिलाधिकारी ने लेखपाल को निर्देश दिए कि गांव में कैंप लगाकर दो दिन के भीतर सुधार किया जाए और संशोधित खतौनी किसानों को उपलब्ध कराई जाए। इस चौपाल में एसडीएम नीरज कुमार द्विवेदी, ग्राम प्रधान नीता गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

दोस्ती के शक में बेटे को बुलाकर बेरहमी से पीटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी के कुरावली थाना क्षेत्र के महादेवा गांव में एक युवक को घर से बुलाकर पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक की मां ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक (एसपी) से शिकायत की है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पीड़िता सुधा देवी ने बताया कि वह महादेवा गांव की निवासी हैं। शनिवार दोपहर करीब 3 बजे कुछ लोग उनके बेटे दुरवीन कुमार को बहला-फुसलाकर घर से बुलाकर ले गए। आरोप है कि वहां ले जाकर उसके साथ जमकर मारपीट की गई, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर युवक को बचाया। महिला के अनुसार, मारपीट करने वालों में अजय उर्फ करू, विजय, सागर, संध्या और भल्ले सहित अन्य लोग शामिल थे। इन पर आरोप है कि उन्होंने युवक को इस शक में पीटा कि वह रामदीन की बेटी से बात करता है।

अधिकांश विवाद आपसी सुलह-समझौते के आधार पर हो सकते है निस्तारित- जिलाधिकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील भोगांव में जन-शिकायतें सुनने के दौरान जब पुरैया नि. रामबेटी ने जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी के सम्मुख अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि पति की मृत्यु के बाद विरासत दर्ज करते समय पुत्र का नाम जनवेश के स्थान पर जलेश दर्ज कर दिया गया है, कई बार प्रार्थना पत्र देने के बाद भी नाम ठीक नहीं कराया जा रहा है, जिस पर उन्होंने तहसीलदार भोगांव को आदेशित करते हुए कहा कि शिकायतकर्ता से आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर तत्काल नाम दुरुस्त कराकर खतौनी की प्रति लेकर आएं, तहसीलदार ने सम्बन्धित राजस्व निरीक्षक, लेखपाल से औपचारिकताएं पूर्ण कराकर मौके पर ही नाम दुरुस्त कराकर खतौनी की प्रति शिकायतकर्ता को उपलब्ध कराकर तत्काल राहत प्रदान की, आवंती नगर भोगांव नि. बी.ए. की छात्रा श्रद्धा सिंह ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि उसे छात्रवृत्ति नहीं मिली है, जिस पर उन्होने समाज कल्याण अधिकारी से प्रकरण की जांच कर तत्काल शिकायत का निदान कराने को कहा, छात्रवृत्ति पोर्टल से प्राप्त स्टेट्स के अनुसार छात्रा के बैंक खाते में राज्य सरकार का अंश रू. 4685 प्रेषित किया जा चुका है, उक्त शिकायत का भी उन्होने मौके पर ही निस्तारण कराकर फरियादी को संतुष्ट किया, नगला रामपीछा नि. कमला देवी ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से आवंटित पट्टा गाटा संख्या-1197 की पैमाइश कराकर कब्जा दिलाने की मांग की, जिस पर उन्होने क्षेत्रीय लेखपाल को मिशन समाधान के तहत पट्टाशुदा भूमि की पैमाइश कर पट्टेधारक को काबिज कराकर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि कहीं भी पट्टे की भूमि पर अवैध कब्जा न रहे।

नवीगंज में जलभराव निस्तारण को लेकर सम्पूर्ण समाधान दिवस में दिया गया प्रार्थनापत्र

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बेवर। नवीगंज के मोहल्ला वर्मा बस्ती और मोहल्ला कश्यप में जलनिकासी का इंतजाम न होने के चलते तालाब का पानी गली की नालियों में भरता है।जिससे गांव में गंदगी का आलम बना हुआ है। चार बार तहसील दिवस में शिकायत भी की गई लेकिन आज तक कोई निस्तारण नहीं हुआ। जिससे गांव के लोग काफी परेशान है।ग्रामीणों ने शनिवार को भोगांव सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देते हुए समस्या निस्तारित किए जाने की गुहार लगाई है। मामले की शिकायत करते हुए गांव नवीगंज निवासी मानसिंह वर्मा पुत्र रूपलाल ने बताया कि गांव के सभी लोगों का पानी गांव के छोटे छोटे तालाबों में जाता है।तालाबों का आकार छोटा होने के चलते जलभराव हो जाता है। तालाब का पानी ओवरफ्लो होकर नालियों और गलियों में वापस आकर भर जाता है। जिससे सभी ग्रामीणों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ता है।इस संबंध में चार बार तहसील दिवस में शिकायत की गई जिसकी आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई।स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी से जलनिकासी की व्यवस्था कराए जाने की मांग की है।

बेवर की प्रशस्ति राज ने कउरए बोर्ड में लहराया परचम, संवेदना फाउंडेशन ने किया सम्मानित

मोर्निंग सिटी संवाददाता बेवर (मैनपुरी): आई.सी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। नगर के मोहल्ला निवासी रजनीश यादव की पुत्री कु. प्रशस्ति राज ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर परीक्षा में 93% अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर संवेदना फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने प्रशस्ति के निवास पर पहुँचकर उन्हें बधाई दी। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष इं. धर्मवीर सिंह राही एवं सुरेन्द्र सिंह नेताजी ने प्रशस्ति राज की सफलता की सराहना करते हुए उनके माता-पिता को भी सम्मानित किया। इस दौरान इं. धर्मवीर सिंह राही ने कहा कि ग्रामीण परिवेश की बेटियाँ आज अपनी प्रतिभा के बल पर बड़े मुकाम हासिल कर रही हैं, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने प्रशस्ति के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस सम्मान समारोह के दौरान परिवार के लोग और शुभचिंतक उपस्थित रहे।

परिवार परामर्श केंद्र ने सुलझाया घरेलू विवाद, शिकायत वापसःमारपीट-धमकी के आरोप वापस लिए, पति-पत्नी साथ रहने को सहमत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कुरावली के परिवार परामर्श केंद्र में एक घरेलू विवाद को सुलझा लिया गया, जिससे एक परिवार टूटने से बच गया। अकबरपुर औंछा निवासी बीना ने अपने पति राजकुमार पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए 9 अप्रैल 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। बीना ने शिकायत में बताया था कि उसका पति राजकुमार अक्सर उसके साथ मारपीट करता था, कई दिनों तक घर से बाहर रहता था और जान से मारने की धमकी देता था। इस परेशानी के चलते वह परिवार परामर्श केंद्र पहुंची थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों को नोटिस जारी कर काउंसलिंग के लिए बुलाया। परामर्श केंद्र में 25 अप्रैल से काउंसलिंग शुरू हुई। इसमें दोनों पक्षों को अलग-अलग और फिर आमने-सामने बैठाकर उनकी समस्याओं को सुना गया।

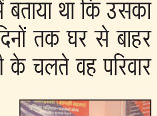

परामर्श केंद्र की टीम ने विवाद के मूल कारणों को समझने का प्रयास किया और आपसी बातचीत के माध्यम से समाधान खोजने पर जोर दिया। लगभग एक सप्ताह तक चली काउंसलिंग के बाद 2 मई को पति-पत्नी दोनों ने अपनी-अपनी गलतियां स्वीकार कीं। उन्होंने माना कि आपसी कहासुनी के कारण विवाद बढ़ गया था। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे से माफी मांगी और साथ रहने का निर्णय लिया। परामर्श के बाद बीना ने मारपीट और धमकी की अपनी शिकायत वापस ले ली और एक लिखित सुलहनामा प्रस्तुत किया। दोनों पक्षों ने परिवार परामर्श केंद्र की टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यदि इसी तरह समस्याओं का समाधान होता रहे, तो लोगों को कोर्ट-कचहरी के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

15 दिन का स्वच्छता मिशन, गांव-गांव सफाईःडीएम का एक्शन प्लान गंदगी पर वार, पंचायतों को बनाया जाएगा वन-स्टॉप जनसेवा केंद्र

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव लाने के उद्देश्य से प्रशासन ने एक बड़ा अभियान शुरू किया है। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने 15 मई तक विशेष स्वच्छता और पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इस अभियान का दोहरा लक्ष्य हैः गांवों में व्यापक सफाई सुनिश्चित करना और पंचायत भवनों को पूरी तरह से सक्रिय, व्यवस्थित तथा आम जनता के लिए उपयोगी जनसेवा केंद्रों में बदलना। डीएम ने सभी ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। इसमें पंचायत घर, स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, नालियां और नाले शामिल होंगे।

अभियान के तहत जलभराव खत्म करना, कचरा हटाना, झाड़ियों की कटाई, कीटनाशक छिड़काव और फॉगिंग जैसे कार्य अनिवार्य रूप से किए जाएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य गांव के हर मोहल्ले तक साफ-सफाई पहुंचाना और मच्छरों के पनपने की स्थिति को समाप्त करना है।

अभियान की सख्त निगरानी की जाएगी। प्रत्येक कार्य से पहले और बाद की तस्वीरें ली जाएंगी, जिनका डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। सभी पंचायतों को 15 दिन के कार्यों की रिपोर्ट 16 मई तक प्रस्तुत करनी होगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

पंचायत भवनों को लेकर भी प्रशासन की एक महत्वपूर्ण योजना है। इन्हें केवल औपचारिक भवन के बजाय जनसेवा के प्रभावी केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा। इन केंद्रों पर कुर्सी, मेज, पंखा, पीने का पानी और इंटरनेट, कंप्यूटर तथा टीवी जैसी डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान और सहायक की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इसका उद्देश्य यह है कि ग्रामीण जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, पेंशन और आवास योजनाओं जैसी आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर आसानी से प्राप्त कर सकें। सफाई कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। बिना कार्य के वेतन का भुगतान नहीं किया जाएगा, और उनके कार्यों का सत्यापन संबंधित अधिकारियों के हस्ताक्षर से होगा।

इसके अतिरिक्त, जल संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया है। तालाबों के पुनर्जीवन के लिए वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग किया जाएगा, जिसमें जल निकासी और तल की सफाई जैसे कार्य शामिल हैं। गौशालाओं की व्यवस्था में सुधार के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं। चारे की पर्याप्त उपलब्धता, सुरक्षा व्यवस्था और गोवंश के उचित रखरखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

नहर किनारे मिट्टी खोदते वक्त खाई धंसी, बुजुर्ग महिला की मौत, किशोरी की हालत नाजुक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। एलाऊ। थाना क्षेत्र के गांव भांवत में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। नहर किनारे मिट्टी खोदते समय अचानक खाई धंस गई, जिसमें दबकर एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि एक किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव भांवत निवासी मोरश्री पत्नी स्वर्गीय मातादीन जाटव तथा बबीता पुत्री मानिकचंद शनिवार सुबह करीब 9 बजे नहर किनारे चीका मिट्टी लेने गई थीं। दोनों मिट्टी की खुदाई कर रही थीं, तभी अचानक पीछे की ओर से खाई भरभराकर गिर गई और दोनों को अपने आगोश में ले लिया। बताया जा रहा है कि दोनों करीब दो घंटे तक मलबे में दबी रहीं। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक युवक को किशोरी की आवाज सुनाई दी, जिस पर उसने शोर मचाया। आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला। सूचना मिलने पर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और घायलों को तत्काल जिला अस्पताल मैनपुरी भेजा गया। जहां इलाज के दौरान मोरश्री ने दम तोड़ दिया।

वहीं गंभीर रूप से घायल बबीता को बेहतर उपचार के लिए सैफई रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

पैसे न देने पर डॉक्टर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट को नहीं माना

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी किशनी मामला किशनी तहसील के लेखपाल अर्चना यादव ने निवासी गांव धर्मनेर योगिन्द्र की भैंस की मृत्यु सांप के काटने से हो गई थी जिसका पोस्टमार्टम डॉक्टर द्वारा करवाया गया था जिसमें डॉक्टर द्वारा रिपोर्ट सांप के काटने से मृत्यु पाई गई पीड़ित ने पशु हानि की भरपाई करने के लिए तहसील किशनी उप जिला अधिकारी गोपाल शर्मा को प्रार्थना पत्र दिया जिसकी आख्या रिपोर्ट मागी गई लेकिन जैसे ही लेखपाल अर्चना यादव को प्राप्त हुई तो लिकिन लेखपाल अर्चना यादव ने निवासी धर्मनेर ने पीड़ित से दस हजार रुपए की डिमांड कर दी जब पीड़ित ने देने में असमर्थता दिखाई तो लेखपाल अर्चना यादव ने डॉक्टर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट को झूठा साबित कर दिया और रिपोर्ट में बीमारी दिखा कर आख्या रिपोर्ट लगा दी लेखपाल अर्चना यादव बिना पैसे दिए किसी पीड़ित की रिपोर्ट नहीं लगती अगर कोई फोन से बात करना चाहे तो कभी लेखपाल अर्चना यादव फोन नहीं उठती पीड़ित ने उप जिला अधिकारी गोपाल शर्मा से शिकायती पत्र देकर लेखपाल अर्चना यादव का पूरा कारनामों से अवगत कराया उप जिला अधिकारी गोपाल शर्मा ने जांच के आदेश दिए हैं लेखपाल अर्चना यादव की पहिले भी कई बार शिकायत की गई लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

बुद्ध कथा का शुभारंभ, धम्म यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बेवर। क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मणपुर में शनिवार को बुद्ध कथा का आयोजन शुरू हुआ। बुद्ध कथा प्रारंभ होने से पूर्व भव्य धम्म यात्रा निकाली गई,जो लक्ष्मणपुर से निकलकर रसूलपुर, जोत, चिरावर, नगला आम, लालपुर, मलिकपुर, नगरिया, बल्लूपुर, भारतपुर सहित अन्य गांवों से होकर गुजरी।

धम्म यात्रा में बड़ी संख्या में बौद्ध अनुयायी पंचशील ध्वज व तिरंगा लेकर शामिल हुए। श्रद्धालु भजन-गीतों व बुद्ध वंदना के साथ आगे बढ़ते रहे, जिससे पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो गया। धम्म यात्रा का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि किशोर शाक्य ने किया, जबकि धम्म यात्रा का नेतृत्व युवा शाक्य संगठन मैनपुरी के जिलाध्यक्ष अनिल शाक्य ने किया। यात्रा के दौरान विभिन्न गांवों में श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। धम्म यात्रा के उपरांत बुद्ध कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ। कथा वाचन कथावाचक प्रवेश बौद्ध एवं कथावाचिका दीक्षा बौद्ध द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान कथावाचक प्रवेश बौद्ध ने कहा कि भगवान बुद्ध ने मानव जीवन को दुःखों से मुक्ति का मार्ग दिखाया है और उनके बताए अष्टांगिक मार्ग पर चलकर ही सच्चे सुख और शांति की प्राप्ति संभव है। वहीं कथावाचिका दीक्षा बौद्ध ने कहा कि बुद्ध का धम्म जीवन जीने की सही दिशा देता है तथा पंचशील का पालन कर समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ किया जा सकता है।

इस अवसर पर अजीत शाक्य, सोनू शाक्य, राजकिशोर शाक्य, रामनिवास, पुष्पेंद्र, बृजेश, विजय कुमार, आनंद, गणेश शाक्य, आशीष शाक्य, सचिन, लाखन सिंह शाक्य,कमल, रविंद्र पाल, मनोज, सुखबीर, उदय सिंह, कप्तान सिंह, प्रेम सिंह,राजेश शाक्य,संतोष, विमलेश शाक्य मानसिंह शाक्य, संजीव सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

युवती से चचेरे भाइयों ने की मारपीट

मैनपुरी

मैनपुरी के बेवर क्षेत्र में अपनी मां के त्रयोदशी संस्कार में शामिल होने आई एक महिला के साथ मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसके ही रिश्तेदारों ने न सिर्फ गाली-गलौज की, बल्कि विरोध करने पर उसे पीटा और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता प्रियंका मिश्रा, निवासी कन्नौज, ने बताया कि उनकी मां का निधन 13 अप्रैल 2026 को सैफई मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान हो गया था। इसके बाद वह अपनी बहन के साथ मायके नवीगंज, थाना बेवर आई थीं और अंतिम संस्कार कराया था। 24 अप्रैल को त्रयोदशी कार्यक्रम के दौरान यह विवाद खड़ा हो गया। प्रियंका का आरोप है कि उनके ताऊ के बेटे हवन-पूजन कर रहे थे, जिस पर उन्होंने आपत्ति जताई। इसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई और मामला बढ़कर गाली-गलौज में बदल गया। आरोप है कि राजेश मिश्रा, राजीव तिवारी, अभिषेक तिवारी, आलोक दुबे और प्रीता दुबे सहित अन्य लोगों ने उन्हें गालियां दीं और मारपीट की। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद उनका गोद लिया हुआ भाई भी उनके पक्ष में नहीं आया, बल्कि आरोपियों के साथ खड़ा हो गया। विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने और समाज में बेइज्जत करने की धमकी दी।

मैनपुरी पुलिस ने मारा छापा,12 बाइक बरामद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी के बिछवां थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। बिछवां पुलिस और ए.वी.टी. टीम की संयुक्त कार्रवाई में तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से चोरी की 12 मोटरसाइकिलें और 3030 रुपये नकद बरामद हुए हैं।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान नगला जीसुख निवासी बृजेश कुमार, मैनपुरी की आसरा कॉलोनी निवासी विकास चौहान और विलासपुर निवासी कौशलेन्द्र उर्फ सुशांक के रूप में हुई है। यह गिरोह विभिन्न जनपदों से मोटरसाइकिलें चुराकर बेचता था। पुलिस को सूचना मिली थी कि चोर सुल्तानगंज बिजलीघर के सामने झाड़ियों में छिपे हैं, जिसके बाद दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार किया गया और चोरी की बाइकें बरामद की गईं। पुलिस पूछताछ में पता चला कि यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और कई जिलों में वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है। मुख्य आरोपी बृजेश कुमार का आपराधिक इतिहास लंबा है, उस पर विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। अन्य दोनों अभियुक्तों के खिलाफ भी चोरी और संबंधित धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं।

एसपी सिटी अरुण कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और चोरी की अन्य घटनाओं में इनकी क्या भूमिका रही है। एसपी सिटी ने बताया कि दो चोर विभिन्न जिलों से बाइकें चुराकर मैकेनिक कौशलेन्द्र को बेचते थे। कौशलेन्द्र इन बाइकों के चेसिस नंबर और अन्य पहचान छिपाकर उन्हें अच्छे मुनाफे पर बेच देता था। यह गिरोह लंबे समय से इस काम को अंजाम दे रहा था।

इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक जितेंद्र सिंह चंदेल के नेतृत्व में बिछवां थाना पुलिस और ए.वी.टी. टीम के कई पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

दो साल बाद भी इंजीनियर पति ने नहीं बनाए संबंध

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने इंजीनियर पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि शादी के दो साल बाद भी पति ने उससे शारीरिक संबंध नहीं बनाए। उसने पति पर युवकों को घर बुलाकर आपत्तिजनक कृत्य करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र की निवासी महिला की शादी 19 फरवरी 2024 को एटा के सदर बाजार निवासी एक इंजीनियर युवक से हुई थी। युवक मुंबई में अच्छी सैलरी पर नौकरी करता है। महिला के पिता ने शादी में करीब एक करोड़ रुपये खर्च किए थे। पत्नी का आरोप है कि शादी के बाद पति ने उससे दूरी बना ली। दो साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उनके बीच पति-पत्नी जैसे कोई संबंध स्थापित नहीं हुए। इससे परेशान होकर महिला को पति पर शक होने लगा। पति ने उसे आगरा के खंदारी स्थित एक फ्लैट में रखा, लेकिन वहां भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। सच्चाई जानने के लिए महिला ने कमरे में गुप्त कैमरे लगवा दिए। आरोप है कि इन कैमरों में पति की जो हरकतें रिकॉर्ड हुईं, वे बेहद चौंकाने वाली थीं। महिला का दावा है कि उसका पति पैसों के बदले युवकों को घर बुलाता था और उनके साथ आपत्तिजनक कृत्य करता था। महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि जब उसने इन हरकतों का विरोध किया, तो उससे 50 लाख रुपये की मांग की गई। उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित भी किया गया। इसके बाद पीड़िता ने मैनपुरी की सदर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बेवर के नवीगंज में राजस्व निरीक्षक का रौब बरकरार
भूमि विवाद मामले में किसान के अभिलेख फेंके, हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाता दिखा किसान,वायरल वीडियो में लोक सेवक की दिखी संवेदनहीनता

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बेवर। थाना क्षेत्र बेवर की चौकी नवीगंज कस्बे से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां जमीन कब्जे की जांच करने पहुंचे राजस्व निरीक्षक की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि मौके पर पहुंचे राजस्व निरीक्षक ने पीड़ित किसान के जमीनी अभिलेख ही फेंक दिए, जबकि किसान हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाता रहा। इस दौरान मौके पर पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, लेकिन किसी ने हस्तक्षेप नहीं किया।

वायरल वीडियो की जानकारी के अनुसार, राजस्व टीम जमीन पर कब्जे की शिकायत की जांच के लिए नवीगंज में राजस्व निरीक्षक शीशराम, क्षेत्रीय लेखपाल कौशलेंद्र और चौकी इंचार्ज राजकुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे थे। इसी दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो बनाना शुरू कर दिया, जिससे नाराज होकर राजस्व निरीक्षक शीशराम आपा खो बैठे और चौकी इंचार्ज राजकुमार गौतम से पीड़ित के दस्तावेज लेकर उन्हें जमीन पर फेंक दिया।वीडियो में किसान बार-बार हाथ जोड़कर राजस्व निरीक्षक की टीम से गिड़गिड़ाकर अपनी बात रखने की कोशिश करता दिख रहा है, लेकिन उसकी एक नहीं सुनी गई और उसे लगातार हड़काया गया।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। आम लोगों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि क्या लोक सेवकों से इसी तरह के व्यवहार की उम्मीद की जानी चाहिए? एक तरफ उत्तर प्रदेश की सरकार जनता के विवादों को सहजता से निपटाने हेतु काफी प्रयास कर रही है,तो वहीं मातहत अधिकारी इसी पलीता लगाने से पीछे नहीं हट रहे हैं।

उक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल यह घटना प्रशासनिक संवेदनशीलता और जनसेवा की जिम्मेदारी पर बड़ा सवाल बनकर खड़ी हो गई है।

तीसरी मंजिल से गार्डर समेत गिरे मजदूर, एक की मौत, दो गंभीर घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। एत्मादद्दोला थाना क्षेत्र के ट्रांस यमुना फेस-1 में शनिवार को निमार्णाधीन मकान पर काम के दौरान बड़ा हादसा हो गया। तीसरी मंजिल पर गार्डर लगाते समय संतुलन बिगड़ने से तीन मजदूर गार्डर सहित नीचे आ गिरे, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। मृतक की पहचान धौर्रा गांव निवासी रंजीत के रूप में हुई है, जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

वहीं घायल दो मजदूरों को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मकान की तीसरी मंजिल पर निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान अचानक गार्डर खिसक गया और उस पर काम कर रहे तीनों मजदूर संतुलन खो बैठे। देखते ही देखते तीनों नीचे आ गिरे। तेज आवाज सुनते ही आसपास काम कर रहे लोगों में दहशत फैल गई और कुछ ही देर में घटनास्थल पर भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

रेस्क्यू कार्य तेजी से चलाया गया, लेकिन एक मजदूर की जान नहीं बचाई जा सकी। स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त मकान में लंबे समय से निर्माण कार्य चल रहा है। हैरानी की बात यह है कि करीब दो महीने पहले भी इसी मकान से गिरकर एक अन्य मजदूर की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद सुरक्षा इंतजामों में सुधार नहीं किया गया, जिससे एक बार फिर बड़ा हादसा हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर सुरक्षा मानकों में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा उपायों के अभाव को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हादसे के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आगरा में विवाहिता को जिंदा जलाया, दहेज हत्या का आरोप–ससुराल पक्ष फरार

आगरा। जनपद के खंदौली थाना क्षेत्र स्थित उस्मानपुर गांव में एक विवाहिता की हत्या कर शव को खेत में जलाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, जबकि मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न के बाद हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, वहीं सभी आरोपी घटना के बाद से फरार बताए जा रहे हैं। मृतका की पहचान 37 वर्षीय पूनम के रूप में हुई है, जिसकी शादी करीब 17 वर्ष पूर्व उस्मानपुर निवासी गंभीर सिंह से हुई थी। मृतका के पिता श्यामसुंदर, निवासी खांडा थाना बरहन, ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि शनिवार सुबह पति, सास, जेठ-जेठानी सहित अन्य परिजनों ने मिलकर पूनम की हत्या कर दी और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को खेत में ले जाकर कंडों और टायर की मदद से जला दिया।

घटना की जानकारी मायके पक्ष को एक रिश्तेदार के माध्यम से मिली। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। पुलिस के पहुंचने तक शव पूरी तरह जल चुका था। परिजनों के पहुंचने पर मौके पर हंगामा भी हुआ, जिसे पुलिस ने किसी तरह शांत कराया। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। जांच के दौरान आरोपियों के घर में सामान बिखरा मिला, चूल्हा और कूलर क्षतिग्रस्त पाए गए, वहीं पास में कीटनाशक की खाली बोतलें भी बरामद हुई हैं। इससे घर के भीतर किसी तरह के संघर्ष की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी मृतका के दोनों बेटों को भी अपने साथ ले गए हैं, जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई है। पुलिस का कहना है कि बच्चों की तलाश के साथ-साथ फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मृतका फरवरी माह में अपने भतीजे के साथ घर से चली गई थी, जिसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। बाद में अप्रैल में उसे बरामद कर लिया गया था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

जिलाधिकारी ने सुनी सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्यायें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। तहसील अतरौली में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने फरियादियों की समस्याओं को सुना। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन शिकायतों का निस्तारण मौके पर संभव नहीं है, उनमें संबंधित अधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर दोनों पक्षों को सुनकर निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने जोर दिया कि आमजन को समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

हाल ही में ग्राम बडेसरा में महिलाओं द्वारा विद्युत मीटर उखाड़कर किए गए प्रदर्शन के प्रकरण को भी जिलाधिकारी ने गंभीरता से लिया। उन्होंने इस प्रकार के कृत्य को अनुचित बताया। जिलाधिकारी ने मामले में शामिल लोगों की पहचान कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने आमजन से अपील की कि विद्युत संबंधी किसी भी शिकायत के लिए विभाग के टोल फ्री नंबर 1912 पर शिकायत दर्ज कराएं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, विकास, विद्युत, आपूर्ति, नगर निकाय समेत विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष प्रकरणों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देशों के साथ संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी ने अतरौली क्षेत्र की छह गौशालाओं के निरीक्षण के लिए अधिकारियों को भेजा। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी दिवाकर त्रिपाठी के माध्यम से निर्धारित बिंदुओं पर विस्तृत आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए.इस अवसर पर एडीएम प्रशासन पंकज कुमार, एसडीएम सुमित कुमार सिंह, सीएमओ डॉ0 नीरज त्यागी, पीडी भालचंद्र त्रिपाठी समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जर्जर इन्द्रा मार्केट में जनहानि के लिए स्वयं दुकानदार होंगे उत्तरदायी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ, .। नगर आयुक्त ने बताया इंद्रा मार्केट की क्षतिग्रस्त स्थिति व गिरासू भवन को देखते हुए नगर निगम निर्माण विभाग द्वारा 21 दुकानदारों को पूर्व में 27 फरवरी 2026 व 30 अप्रैल 2026 को अन्तिम नोटिस गिरासू भवन को खाली करने संबंधी दिए गए।

उन्होंने बताया कि रेलवे रोड़ इन्द्रा नगर मार्केट में एक लगायत 21 काबिज अध्यासी, किरायेदारों को नगर निगम ने प्रदत्त प्राविधानों के अन्तर्गत पूर्व में सूचित किया गया कि उक्त अनावासीय गिरासू जर्जर दुकानों को सुरक्षित रूप से अभिलम्ब तोड़कर गिराया जाना सुनिश्चित करें, जिससे स्थल पर कोई घटना घटित न होने पाये अन्यथा की स्थिति में उक्त जर्जर दुकानों के कारण स्थल पर कोई घटना घटित होने की स्थिति में होने वाली जनहानि या धनहानि के लिए स्वयं उत्तरदायी होगे। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षतिग्रस्त हिस्सों को हटाने के दौरान सुरक्षा घेरा बैरिकेडिंग एवं आवश्यक सतर्कता उपायों का विशेष रूप से पालन सुनिश्चित किया जाए। नगर आयुक्त ने नगर निगम निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि मार्केट के क्षतिग्रस्त छत को पूर्ण सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सोमवार से हटाने की कार्यवाही प्रारंभ की जाए जिससे आमजन एवं व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। नगर निगम संपत्ति प्रभारी द्वारा नगर आयुक्त को अवगत कराया गया कि इंद्रा मार्केट का निर्माण लगभग वर्ष 1984 में तत्कालीन अलीगढ़ विकास परिषद द्वारा कराया गया था।

नगर आयुक्त ने मौके पर ही संपत्ति विभाग एवं निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी अगले सप्ताह में अलीगढ़ विकास प्राधिकरण संबंधित व्यापारियों एवं नगर निगम अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की जाए। निरीक्षण के दौरान पूर्व पार्षद मनीष वूल, सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह, सहायक अभियंता राजवीर सिंह, संपत्ति लिपिक विजय गुप्ता, स्टेनो देशदीपक, मीडिया सहायक अहसान रब सहित नगर निगम के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतिभा कॉलोनी में गंदगी और अतिक्रमण से बेखबर नगर निगम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ। स्मार्ट सिटी के दावों के बीच अलीगढ़ का प्रतिभा कॉलोनी क्षेत्र नगर निगम और स्थानीय प्रशासन की घोर लापरवाही का जीवंत प्रमाण बन गया है। यहाँ की सड़कें अब केवल गड्ढों और गंदगी का केंद्र ही नहीं, बल्कि अवैध कब्जों का अड्डा भी बन गया हैं।

सड़क पर कब्जा क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या बालू, बदरफुट और निर्माण सामग्री के अवैध ढेरों की है। लोगों ने सड़क के एक बड़े हिस्से पर अतिक्रमण कर रखा है, जिससे सड़क बेहद संकरी हो गई है। हैरानी की बात यह है कि मुख्य मार्ग पर सरेआम हो रहे इस अतिक्रमण की ओर न तो नगर निगम का ध्यान है और न ही किसी अन्य विभाग का। इन ढेरों की वजह से पैदल चलना भी दूभर हो गया है।

प्रतिभा कॉलोनी की ओर जाने वाले रास्ते पर गंदगी का राज है। चारों ओर गोबर और कूड़े के ढेर लगे हैं। जलभराव और कचरे के कारण उठने वाली बदबू ने लोगों का स्वास्थ्य खतरे में डाल दिया है। लाखों की आबादी वाली इस कॉलोनी के लोग अब अन्य रास्तों से चक्कर काटकर जाने को मजबूर हैं।

खतरनाक पुलिया और जानलेवा गड्ढे सड़क की हालत इतनी बदतर है कि वह किनारों से पूरी तरह टूट चुकी है। यहाँ बनी पुलिया का स्तर इतना ऊंचा-नीचा है कि दुपहिया और चार पहिया वाहन उस पर किसी खिलौने की तरह उछलते नजर आते हैं। रात के समय स्ट्रीट लाइट न होने के कारण अंधेरा रहता है। जो हादसों को न्योता दे रहा है। टूटी सड़क और निर्माण सामग्री से बचने के चक्कर में वाहन चालक अक्सर अनियंत्रित होकर गिर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार इस नरकीय स्थिति की शिकायत की, लेकिन नगर निगम की कुंभकर्णी नींद नहीं टूट रही है। अतिक्रमण और गंदगी के साम्राज्य ने यहाँ के विकास कार्यों की पोल खोल दी है।

किशोरी से गैंगरेप के दौषियों को बख्शा नहीं जायेगा: सांसद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। खैर कस्बे में 14 वर्षीय किशोरी से गैंगरेप के मामले में सांसद सतीश गौतम का एक और बयान सामने आया है। गौरतलब है कि 24 अप्रैल की रात खैर कस्बे के एक मोहल्ले में नाबालिग के साथ गैंगरेप की घटना हुई थी। इसके विरोध में 26 अप्रैल को अग्रवाल समाज परिषद, ब्राह्मण महासभा और व्यापार मंडल सहित कई संगठनों ने सुभाष चौक पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया था और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी। सांसद सतीश गौतम ने कहा कि पीड़िता के बयानों के आधार पर किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी आरोपियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

माटीकला कारीगरों के लिए सुनहरा अवसर, 9 मई तक करें आवेदन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। आर्थिक रूप से कमजोर एवं परंपरागत माटीकला व्यवसाय से जुड़े कारीगरों के लिए अच्छी खबर है। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में संचालित ष्माटीकला कौशल विकास योजनाष् के तहत 15 दिवसीय माटीकला शिल्पकारी प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी संजीदा बेगम ने बताया कि यह प्रशिक्षण मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, अडींग, जिला मथुरा में आयोजित होगा, जो पूर्णतः आवासीय रहेगा। प्रशिक्षण अवधि के दौरान चयनित प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षुवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ ऐसे परंपरागत माटीकला कारीगरों को मिलेगा, जो आर्थिक रूप से कमजोर हों, जिनकी आजीविका केवल माटीकला व्यवसाय पर निर्भर हो और जिनका नाम माटीकला कारीगरों की आंकड़ा संग्रह सूची में दर्ज हो। साथ ही, लाभार्थी परिवार के किसी सदस्य ने पूर्व में किसी विभाग या संस्था से यह प्रशिक्षण प्राप्त न किया हो। इच्छुक अभ्यर्थी 9 मई 2026 तक नचउंजपांसंइवंतक.पद पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कार्य दिवसों में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय, त्रिमूर्ति नगर, बरौला बाईपास, अलीगढ़ अथवा मोबाइल नंबर 7408410755 और 9808146965 पर संपर्क किया जा सकता है।

एलएडीसीएस भर्ती प्रक्रिया अग्रिम आदेश तक स्थगित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम में भर्ती प्रक्रिया को अग्रिम आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। अपर सिविल जज (सी.डि.)/पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कृति सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेशों के क्रम में माननीय जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम में स्वीकृत पदों के अतिरिक्त 01 डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल एवं 01 असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल के पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इसके लिए अभ्यर्थियों से 23 दिसंबर 2025 तक आवेदन मांगे गए थे। उन्होंने बताया कि मा0 उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के माध्यम से अवगत कराया गया है कि मा0 राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली में 06 मार्च को एलएडीसीएस नियमावली एवं पॉलिसी से संबंधित गठित समिति की जांच प्रक्रिया पूर्ण होने तक प्रदेश के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों में भर्ती प्रक्रिया स्थगित रखी जाएगी।

पुलिस लाइन में एसएसपी का औचक निरीक्षण, स्वच्छता-व्यवस्थाओं पर जोर

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने शनिवार को रिजर्व पुलिस लाइन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी और संबंधित अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा, स्वच्छता और पुलिसकर्मियों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया। एसएसपी ने क्वार्टर गार्ड की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ पुलिसकर्मियों के बैरक, बाथरूम, शौचालय और पुलिस लाइन परिसर में बने आवासों का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई और सुव्यवस्था की स्थिति पर संतोष जताते हुए इसे और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस लाइन के भोजनालय में पहुंचकर भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इसके साथ ही डॉग स्क्वाड यूनिट, आटा चक्की, कैंटीन और व्यायामशाला का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं के सुचारू संचालन और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। एसएसपी ने पुलिस लाइन में अनुशासन और स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही और पुलिसकर्मियों के कल्याण से जुड़ी व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने जीडी कार्यालय का भी निरीक्षण किया और निर्देश दिए कि ड्यूटी पर जाने वाले पुलिसकर्मियों को प्रस्थान से पहले प्रभावी ब्रीफिंग अनिवार्य रूप से दी जाए, ताकि कानून-व्यवस्था के कार्यों में किसी प्रकार की कमी न रहे। इस निरीक्षण के माध्यम से पुलिस विभाग में अनुशासन, पारदर्शिता और कार्यकुशलता को और सुदृढ़ करने का स्पष्ट संदेश दिया गया।

खंडहर में छात्रा से दुष्कर्म, फतेहपुर सीकरी में सनसनी

सुनसान स्मारक क्षेत्र बना वारदात का अड्डा, दो युवकों पर आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजनगरी के ऐतिहासिक फतेहपुर सीकरी कस्बा क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक छात्रा के साथ दुष्कर्म की सनसनीखेज घटना सामने आई है। स्मारक क्षेत्र के पीछे स्थित एक खंडहर/निर्जन स्थान पर हुई इस वारदात ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई और तत्काल मामले की जांच शुरू कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार, छात्रा शनिवार दोपहर किसी कार्य से स्मारक क्षेत्र के पीछे स्थित सुनसान स्थान पर गई थी। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद दो युवकों ने उसे अकेला पाकर दबोच लिया। पीड़िता के अनुसार, एक युवक ने उसके साथ जबरदस्ती करते हुए दुष्कर्म किया, जबकि दूसरा युवक आसपास निगरानी करता रहा, ताकि कोई व्यक्ति मौके पर न पहुंच सके। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना से आहत छात्रा ने साहस जुटाते हुए थाना फतेहपुर सीकरी पहुंचकर पुलिस को पूरी आपबीती बताई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया और उसकी तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पीड़िता द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम भी लगाई गई है, जो लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद वीर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है और हर पहलू से गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयासरत है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहे हैं। लोगों का कहना है कि स्मारक क्षेत्र के पीछे कई खंडहर और सुनसान स्थान लंबे समय से असामाजिक तत्वों के अड्डे बने हुए हैं। ऐसे स्थानों पर न तो नियमित पुलिस गश्त होती है और न ही सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं। इस घटना ने एक बार फिर पर्यटन और ऐतिहासिक महत्व वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ाई जाए, नियमित गश्त सुनिश्चित की जाए और महिलाओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी गई है, पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है।

शिक्षकों को समय पर वेतन और पेंशन नहीं

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय आह्वान पर शनिवार 2 मई को जिले के शिक्षक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों को लेकर मुखर हुए। शिक्षकों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी लंबित समस्याओं के जल्द समाधान की मांग की। एमएलसी जगवीर किशोर जैन ने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों को अभी तक पेंशन नहीं मिल पाई है, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षकों को समय पर वेतन भी नहीं दिया जा रहा, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षक संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

साधु-संतों के अपमान पर करणी सेना ने सौंपा ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। सोशल मीडिया पर एआई तकनीक का दुरुपयोग कर साधु-संतों का अपमान किए जाने के मामले को लेकर करणी सेना में भारी आक्रोश देखने को मिला। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने पुलिस अधीक्षक (नगर) को ज्ञापन सौंपते हुए आरोपी नीरज सिंह खंगार की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि आरोपी द्वारा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी की भ्रामक एवं आपत्तिजनक तस्वीर बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित की गई, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। करणी सेना ने इसे समाज में वैमनस्य फैलाने वाला कृत्य बताया।

संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही आपत्तिजनक सामग्री को सोशल मीडिया से हटाने की भी मांग उठाई गई।

इस दौरान वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुं. गौरव राज सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष सुमित तोमर, युवा जिलाध्यक्ष अंकित सैनी, जिला उपाध्यक्ष नितिन उपाध्याय, जिला उपाध्यक्ष सुंदर, युवा जिला उपाध्यक्ष विपिन शर्मा, मनीष वर्मा, नवीन कुमार, युवा महामंत्री मोहित वार्ष्णेय, युवा जिला मंत्री कृष्ण सारस्वत सहित अन्य सैकड़ों करणी सैनिक मौजूद रहे।

चण्डौस कोतवाली क्षेत्र में फेरबदल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से शुक्रवार देर रात पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। इसके तहत कोतवाली चण्डौस में तैनात सात पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण किया है, जबकि छह नए पुलिसकर्मियों को यहां तैनाती दी गई है।

जारी आदेश के अनुसार, कोतवाली चण्डौस से कॉन्स्टेबल जितेन्द्र कुमार को पुलिस लाइन, विक्रांत त्यागी को थाना बन्नादेवी और दीपक कुमार को कोतवाली नगर भेजा गया है। वहीं हेड कांस्टेबल नरेन्द्र कुमार को थाना मडराक, हेड कांस्टेबल बृजमोहन को थाना सिविल लाइन, महिला कॉन्स्टेबल कीर्ति को थाना क्वार्सी तथा रश्मि पाल को थाना बन्नादेवी स्थानांतरित किया गया है। इसके साथ ही अन्य थानों से पुलिसकर्मियों को चण्डौस कोतवाली में नई तैनाती दी गई है। थाना गांधी पार्क से कॉन्स्टेबल रविकांत और प्रवेश कुमार, थाना सासनी गेट से कीर्ति नित्या, थाना इगलास से राहुल सिंह तथा थाना सिविल लाइन से हेड कांस्टेबल शीलेंद्र सिंह और महिला कॉन्स्टेबल संगीता को चण्डौस कोतवाली भेजा गया है।

छोटी खबरें

29 साल बाद भी विकास अधूरा, बुनियादी सुविधाओं को तरसता हाथरस

मेडिकल कॉलेज, ट्रांसपोर्ट नगर और जिला स्तरीय कार्यालय अब भी सपना, स्वास्थ्य सेवाओं पर उठे सवाल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जिले के गठन को 29 वर्ष बीत जाने के बाद भी हाथरस विकास की दौड़ में पीछे नजर आ रहा है। तमाम सरकारें आईं और गईं, लेकिन बुनियादी सुविधाओं के बड़े प्रोजेक्ट आज तक धरातल पर नहीं उतर सके। मेडिकल कॉलेज, ट्रांसपोर्ट नगर, और कई आवश्यक जिला स्तरीय कार्यालय अब भी केवल घोषणाओं तक सीमित हैं।जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक बनी हुई है। गंभीर मरीजों को आज भी बेहतर इलाज के लिए अन्य जनपदों में रेफर करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय पर उपचार न मिलने के कारण बीते वर्षों में कई मरीजों की जान गई है। स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की मांग लंबे समय से उठती रही है, लेकिन ठोस पहल नजर नहीं आई।शिक्षा के क्षेत्र में भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को अन्य शहरों का रुख करना पड़ता है। एमजी पॉलिटेक्निक कॉलेज को अब तक इंजीनियरिंग कॉलेज का दर्जा नहीं मिल सका है, जिससे तकनीकी शिक्षा के अवसर सीमित बने हुए हैं।शहर की यातायात व्यवस्था भी बड़ी समस्या बनी हुई है। ट्रांसपोर्ट नगर न बनने के कारण मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। इसके अलावा विकास प्राधिकरण, पर्यटन विभाग, भूगर्भ जल विभाग, प्रदूषण नियंत्रण विभाग और नेडा जैसे कई महत्वपूर्ण विभागों के कार्यालय भी जनपद में स्थापित नहीं हो सके हैं।स्थानीय नागरिकों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि वर्षों से चुनावी मंचों पर विकास के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कोई बड़ा बदलाव नहीं दिखता। लोगों का कहना है कि सभी दलों के जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी बनती है कि वे जनपद के समग्र विकास के लिए ठोस कदम उठाएं।3 मई को जिले के स्थापना दिवस के अवसर पर एक बार फिर विकास के मुद्दे चर्चा में हैं। नाम परिवर्तन के दौर से गुजरने के बावजूद हाथरस आज भी मूलभूत सुविधाओं के मामले में पिछड़ा हुआ है, जिससे आमजन में निराशा बनी हुई है।

RTI और जनसुनवाई पोर्टल की बदहाली पर राज्यपाल को ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सूचना का अधिकार कार्यकर्ता एसोसिएशन (पंजीकृत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार शुक्ला और जिला अध्यक्ष राजीव वार्ष्णेय के नेतृत्व में संगठन ने प्रदेश में सूचना का अधिकार (RTI) और जनसुनवाई पोर्टल (IGRS) की स्थिति को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में दोनों व्यवस्थाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में अधिकारियों द्वारा बरती जा रही लापरवाही और शिथिलता का मुद्दा उठाया गया है। संगठन ने आरोप लगाया कि जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण के नाम पर भ्रामक और गलत रिपोर्ट लगाकर मामलों को बंद किया जा रहा है, जिससे पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा। वहीं, सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी समय पर न देने या अधूरी जानकारी देने की प्रवृत्ति भी बढ़ रही है, जो कानून की मूल भावना के विपरीत है।ज्ञापन में यह भी कहा गया कि गलत रिपोर्ट लगाने और सूचना छिपाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई न होने से जवाबदेही का अभाव है और इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।संगठन के पदाधिकारियों ने राज्यपाल से मुलाकात का समय मांगा है, ताकि वे उपलब्ध साक्ष्यों के साथ अपनी बात रख सकें और व्यवस्था में सुधार की मांग कर सकें। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो संगठन अपना अभियान और तेज करेगा।इस दौरान संगठन के अन्य पदाधिकारी और सदस्य भी मौजूद रहे।

एसएसपी आदित्य लांग्हे का लाइनपार थाने पर औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं की परखी हकीकत

फिरोजाबाद। जनपद में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने शनिवार को थाना लाइनपार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी ने थाना परिसर का भ्रमण करते हुए प्रशिक्षणाधीन आरक्षियों के बैरक, भोजनालय, पुरुष एवं महिला हवालात, मालखाना समेत विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई, अभिलेखों के रखरखाव और सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता को भी परखा। निरीक्षण के दौरान महिला हेल्पडेस्क एवं मिशन शक्ति केंद्र, साइबर हेल्प डेस्क, फ्लाईशीट, एक्टिव लिस्ट, टॉप-10 अपराधियों की सूची, जनसुनवाई रजिस्टर और ग्राम अपराध रजिस्टर की गहन समीक्षा की गई। साथ ही सीसीटीएनएस प्रणाली पर चल रहे कार्यों की प्रगति भी देखी गई। एसएसपी ने यक्ष एप के माध्यम से चोरी, स्नेचिंग और लूट-डकैती के मामलों में शामिल अपराधियों के सत्यापन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी अपराधियों का आपराधिक इतिहास और वर्तमान मोबाइल नंबर अद्यतन रखा जाए। उन्होंने थाना प्रभारी को टॉप-10 अपराधियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही लंबित विवेचनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारित करने पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को अनुशासन और जनसुनवाई में संवेदनशीलता बरतने के भी निर्देश दिए गए। एसएसपी के इस औचक निरीक्षण से थाना स्तर पर कार्यप्रणाली में सुधार और जवाबदेही बढ़ाने का संदेश साफ तौर पर देखा गया।

एन.आर. पब्लिक स्कूल में इंटर हाउस शतरंज प्रतियोगिता संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सोरों के एनआर पब्लिक स्कूल में शनिवार को इंटर हाउस शतरंज प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न हाउस के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी बुद्धिमत्ता एवं खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के शुभारंभ की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उप प्रधानाचार्य पूरन सिंह, वरिष्ठ संगणक शिक्षक भूपेंद्र कुमार का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया गया। अतिथियों ने विधिवत फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता में बसु हाउस से कृष्णा प्रथम, देवायुष द्वितीय, भाभा हाउस से नैतिक प्रथम, हर्षित द्वितीय, रमन हाउस से समर प्रथम, तेजस द्वितीय, कलाम हाउस से अर्पित, विशाखा द्वितीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक कुलदीप शर्मा ने किया। प्रतियोगिता में मुज्जयन अजमी और कल्पना का विशेष योगदान रहा। विद्यालय के प्रबंधक डा. विवेक कुमार राजपूत ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के मानसिक विकास और निर्णय क्षमता को सुदृढ़ बनाती हैं। प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया गया।

समाधान दिवस- डीएम ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, लापरवाह अधिकारियों पर होगी सख्त कार्रवाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सिकंदराराऊ में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा के साथ तहसील सिकन्दराराऊ में जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य जनसमस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान करना है। उन्होंने शिकायतों को एक-एक कर सुना और संबंधित विभागीय अधिकारी को मौके पर बुलाकर तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। भूमि विवाद या अन्य मामलों में सभी पक्षों की उपस्थिति में स्थलीय निरीक्षण कर निस्तारण कहा गया। डीएम ने स्पष्ट किया कि फरियादियों की संतुष्टि ही समाधान दिवस का लक्ष्य है। यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी लापरवाही बरतेगा या समय पर शिकायत का संज्ञान नहीं लेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी ने ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए सभी कार्यालयों में पशु-पक्षियों व आमजन के लिए पानी की व्यवस्था

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यालय में कम से कम एक-दो छोटी पानी की टंकियां या पात्र रखवाए जाएं और उनमें प्रतिदिन सामान्य स्वच्छ पानी बदला जाए। कार्यालय परिसर में वृक्षों के नीचे छायादार व्यवस्था व चबूतरे बनवाने को कहा गया। वॉटर कूलर न होने पर मटके की व्यवस्था अनिवार्य रूप से कराई जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में सिकंदराराऊ में प्राप्त 73 शिकायतों में से चार का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

इसके अतिरिक्त तहसील सदर में प्राप्त 82 शिकायतों में से 5, तहसील सादाबाद में प्राप्त 28 शिकायतों में से 2 तथा तहसील सासनी में प्राप्त 54 शिकायतों में से 4 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इस मौके पर परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप जिलाधिकारी सिकन्दराराऊ, क्षेत्राधिकारी पुलिस, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, उपायुक्त उद्योग, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, एलडीएम, जिला पंचायत राज अधिकारी, एआर कोऑपरेटिव, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अभियंता (लोक निर्माण, विद्युत, जल निगम),अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सिकन्दराराऊ व अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत हसायन उपस्थित रहे।

गर्मी में गोवंशों को ताजा पानी और हरा चारा अनिवार्य, डीएम ने कैलोरा गौशाला का निरीक्षण कर दिए निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जनपद में संचालित गौ आश्रय स्थलों पर गोवंशों के समुचित रख-रखाव एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा के साथ ग्राम पंचायत कैलोरा के अस्थाई गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। डीएम ने संरक्षित गोवंशों के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हरे चारे, भूसे, पेयजल, टीनशेड, साफ-सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने गोवंशों के लिए बनाए गए पानी के टैंकों एवं चारा भंडारण व्यवस्था को देखा। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए गोवंशों को पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ एवं ताजा पेयजल उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में गोवंशों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को गौ आश्रय स्थल पर नियमित साफ-सफाई कराने तथा गोवंशों के बैठने एवं चारा खाने के स्थान को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसे की उपलब्धता सुनिश्चित रखने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने गोवंशों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पशु चिकित्सकों की नियमित टीम भेजने तथा बीमार एवं कमजोर गोवंशों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की मंशानुरूप गोवंश संरक्षण कार्य पूर्ण गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ किए जाएं। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने डीएम को बताया कि कैलोरा गौशाला में कुल 280 निराश्रित गोवंश संरक्षित हैं, जिनमें 80 नर एवं 200 मादा गोवंश शामिल हैं। उनकी देखरेख के लिए 7 केयर टेकर तैनात हैं। यहां 5 टीन शेड, चारा खाने के लिए 5 चरही एवं पानी पीने के हॉज (समरसेबिल संचालित) की व्यवस्था है। वर्तमान में 147 कुंतल भूसा उपलब्ध है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी हाथरस, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, खंड विकास अधिकारी,सहायक खंड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सक, ग्राम प्रधान आदि उपस्थित रहे।

नहर की पटरी कटी गेहूं की दस वींघा फसल जल मग्न

फतेहाबाद। नहर की पटरी कटने से खेतों में भरा पानी दस वींघा गेहूं की फसल डूबी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात अचानक थाना निबोहरा क्षेत्र के गढी कूमरा के पास नहर की पटरी कट जाने से नहर का पानी भर भराकर खेतों में जाने लगा तभी किसानों के द्वारा काफी मशक्कत के बाद पानी रोकने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिला तभी नहर विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई लेकिन किसी भी अधिकारी ने रात्रि में मौके पर पहुंचकर पानी रोकने की जहमत नहीं उठाई। तभी सुबह किसानों के द्वारा फिर अधिकारियों से संपर्क किया गया तभी नहर विभाग के अवर अभियंता मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों के साथ नहर को बंद करने का काम शुरू किया जहां घंटे की मशक्कत के बाद नहर का पानी रोका जा सका गढ़ी कुमरा के किसान जयप्रकाश शर्मा से बात करने पर बताया कि दस वींघा खेत की गेहूं की फसल कटी पड़ी थी जिसे इकट्ठा कर मढाई करने का प्रयास किया जा रहा था तभी रात्रि में नहर का पानी खेत में घुस गया और पूरी फसल पानी में डूब गई।

स्वस्थ नारी, सशक्त समाज: माहवारी स्वच्छता पर जागरूकता और सेनेटरी पैड वितरण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद। कोमल फाउंडेशन द्वारा एवं यूनिक्लैन हाइजीन प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर के सहयोग से सखी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र, इंदिरा नगर जलेसर रोड पर माहवारी स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम एवं सेनेटरी पैड वितरण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से चूड़ी कामगार परिवारों की महिलाओं एवं बालिकाओं को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया, जिनके लिए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी जानकारी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में उन्हें माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। विशेषज्ञों ने जानकारी दी कि सही स्वच्छता अपनाने से कई प्रकार की बीमारियों से बचाव संभव है। साथ ही सेनेटरी पैड के सही उपयोग एवं सुरक्षित निस्तारण के बारे में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर यूनिक्लैन हाइजीन प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर के सहयोग से सभी उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को वोव सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। लाभार्थियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे अपने लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के दौरान कोमल फाउंडेशन की सदस्य श्रीमती तान्या सिंह ने कहा कि चूड़ी कामगार परिवारों की महिलाओं एवं किशोरियों तक माहवारी स्वच्छता की सही जानकारी पहुंचाना बेहद जरूरी है, ताकि वे स्वस्थ जीवन जी सकें।

तालाब चौराहे पर 101 पानी की टंकियों का लोकार्पण, डीएम बोले- बेजुबानों की सेवा महापुण्य का काम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। विश्व हिंदू परिषद द्वारा तालाब चौराहा पर आयोजित 101 पानी की टंकियों के लोकार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी अतुल वत्स, पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा, मुख्य विकास अधिकारी पीएन दीक्षित एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर जिलाधिकारी अतुल वत्स ने कहा कि भीषण गर्मी के मद्देनजर पशु-पक्षियों एवं गोवंश के लिए पेयजल की व्यवस्था करना एक पुण्य एवं मानवीय कार्य है। जल संरक्षण एवं जीव-जंतुओं की सेवा के उद्देश्य से स्थापित की जा रही ये पानी की टंकियां समाज में सेवा, संवेदनशीलता एवं मानवीय मूल्यों का संदेश

देंगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी को देखते हुए बेजुबानों के लिए जल उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यों में सभी नागरिकों को बढ़-चढ़कर सहभागिता करनी चाहिए। डीएम ने कहा कि हम सभी अपने परिवार और बच्चों का ध्यान रखते हैं, लेकिन बेजुबान पशु अपनी पीड़ा व्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में उनके लिए पानी और छाया की व्यवस्था करना अत्यंत परोपकार का कार्य है। समाज में ऐसे प्रयास ही मानवता को जीवित रखते हैं। डीएम ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु अभी प्रारंभ हुई है और तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में हमें अधिक से अधिक

स्थानों पर पशुओं एवं पक्षियों के लिए पानी, छाया एवं अन्य व्यवस्थाएं

सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मुहिम में प्रशासन हर संभव सहयोग के लिए तत्पर रहेगा। विश्व हिन्दू परिषद के जिला मंत्री प्रवीण खंडेलवाल के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में विभाग संगठन मंत्री उमाकांत, प्रान्त सामाजिक समरसता टोली सदस्य मुकेश सूर्यवंशी, जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सक्सेना, कैलाश कूलवाल, अमित भार्गव, जिला सहमंत्री पवन, अमरदीप, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख अमित कुशवाह, जिला सोशल मीडिया प्रमुख चेतन यादव, तरुण शर्मा, संजय गर्ग, विजय गुप्ता, दीपू वार्ष्णेय, प्रशांत खंडेलवाल, दाऊदयाल वर्मा, विक्रांत सोनी, महक रावत, प्रियांशी वार्ष्णेय, हर्षित गौड़, अनमोल अग्निहोत्री, गौरव प्रजापति, लक्ष्मण दीक्षित, हिमांशु उपाध्याय, प्रिंस अरोड़ा, मोनू, राहुल, अंकित

उपाध्याय, गोविन्द, इशू, सिद्धार्थ, कृष्ण कान्त रावत, मोहित चौहान, अंशु, सुमित, नरेश वर्मा, पदम सिंह, देवेंद्र, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष जय शर्मा, दीपक भारद्वाज, नगर संघ चालक डॉ पीपी सिंह, एडीएचआर के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण वार्ष्णेय, मोहित गौड़, गौरव प्रधान, नवीन प्रधान, निस्वार्थ सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, आरोग्य भारती के जिलाध्यक्ष डॉ सुनील दीक्षित, वैद्य मोहन बृजेश सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विहिप के जिला उपाध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा ने किया।

1 मई मजदूर दिवस के अवसर पर सिंधी शक्ति संगठन आगरा द्वारा श्रमिक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। 1 मई मजदूर दिवस के अवसर पर सिंधी शक्ति संगठन आगरा द्वारा श्रमिक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। सिंधी शक्ति संगठन के संस्थापक -अध्यक्ष सुशील नोतनानी ने श्रमिक भाइयों का अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया और उनके योगदान को राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव बताया।

इस अवसर पर सुशील नोतनानी ने कहा कि यदि हम मजदूरों का सम्मान करेंगे तो समाज भी आगे बढ़ेगा और देश भी प्रगति करेगा। मजदूर हमारे दैनिक जीवन के अभिन्न साथी हैं। घरों के निर्माण से लेकर बड़ी-बड़ी इमारतों, पुल, पुलियों, उद्योगों और विकास की हर नींव में मजदूरों का पसीना और परिश्रम शामिल होता है। यदि मजदूर नहीं होंगे, तो उद्योगों का विकास भी संभव नहीं होगा और न ही आधुनिक भारत का निर्माण। उन्होंने कहा कि मजदूरों के अधिकारों का हनन किसी भी स्थिति में नहीं होना चाहिए। श्रमिक वर्ग को उचित सम्मान, उचित मेहनताना और सुरक्षित कार्य वातावरण मिलना चाहिए। सरकार ने भी मजदूरों के हित में अनेक योजनाएं चलाई हैं, उनका पंजीकरण कराया है और उन्हें विभिन्न प्रकार की राहत प्रदान की है। यह एक सकारात्मक पहल है, जिसका लाभ प्रत्येक श्रमिक तक पहुंचना चाहिए।

सुशील नोतनानी ने उदाहरण देते हुए कहा कि पहले मजदूरों को 100 किलो तक की चीनी की बोरी उठानी पड़ती थी, जो अमानवीय स्थिति थी। समय के साथ सोच में बदलाव आया और अब चीनी की बोरी 50 किलो की कर दी गई, जिससे मजदूरों पर अत्यधिक शारीरिक भार कम हुआ। यह मानवता और संवेदनशीलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि समय-समय पर सामाजिक संगठनों ने भी मजदूरों की आवाज उठाई है और उनके हितों की रक्षा के लिए प्रयास किए हैं। मजदूर दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि श्रम, सम्मान और समर्पण का उत्सव है। जो अपने पसीने से राष्ट्र निर्माण करते हैं, वही सच्चे अर्थों में देश के भाग्य विधाता हैं।

मजदूरों का सम्मान, उनके अधिकारों की रक्षा और उनके जीवन में सुख-सुविधाओं का विस्तार ही सच्ची श्रद्धांजलि है। आइए, हम सभी श्रमिक भाइयों के सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सदैव संकल्पित रहें, इन लोगों का सम्मान हुआ राम किशन ,पवन कुमार, गुरविंदर ,रामवीर चौहान ,जहाजन , रोहित, अंसार खान, राम चरण , अयान खान , इर्शाद खान, रामदीन. आदि।

कृषि विज्ञान केंद्र का डीएम ने किया निरीक्षण, ऑटोमेटिक मशीन से तैयार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जनपद में कृषि विकास गतिविधियों एवं किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा के साथ नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने केंद्र की व्यवस्थाओं, प्रशिक्षण गतिविधियों, आधारभूत सुविधाओं, स्वच्छता एवं सुरक्षा का गहनता से निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने केंद्र में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों, तकनीकी परामर्श एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को वैज्ञानिक खेती, आधुनिक तकनीकों एवं नवीन उपकरणों की जानकारी देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। किसानों को समय-समय पर प्रशिक्षण देकर उन्नत बीज, जैविक खेती, जल संरक्षण, फसल विविधीकरण एवं प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक किया जाए,

जिससे उत्पादन एवं आय में वृद्धि हो सके। निरीक्षण के दौरान जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि पौधशाला में ट्रे पर पौध तैयार करने का कार्य ऑटोमेटिक सीड प्लांटिंग मशीन से किया जा रहा है। बीज लगाने से लेकर पौधों की देखरेख तक का कार्य स्वयं सहायता समूह के माध्यम से कराया जा रहा है।

पौध बिक्री के बाद समूह को मानक के अनुरूप भुगतान किया जाता है। वर्तमान में पौधशाला में मिर्च, टमाटर, शिमला मिर्च, लौकी आदि की पौध तैयार की जा रही है। इसके अलावा उन्नतशील बीज भी तैयार किए जा रहे हैं। डीएम ने बीज लगाने से लेकर अंतिम रूप देने तक की पूरी प्रक्रिया का अवलोकन किया।

जिलाधिकारी ने जिला उद्यान अधिकारी को कृषकों को जागरूक करने एवं वैज्ञानिक खेती के लिए कृषि विज्ञान केंद्र पर कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यशालाओं की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने को कहा। डीएम ने स्वयं सहायता समूहों को आमदनी बढ़ाने के लिए कड़कनाथ/कुक्कुट पालन तथा बकरा पालन का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों को आत्मनिर्भर एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका अहम है।

साथ ही परिसर में स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, संबंधित विभागीय अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

गलत बिलिंग और बिजली कटौती से भड़कीं महिलाएं, तहसील व बिजली विभाग में हंगामा

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा। नगर क्षेत्र में स्मार्ट मीटर की कथित गड़बड़ी, बढ़े हुए बिजली बिल और बिना सूचना बिजली कटौती से नाराज महिलाओं का गुस्सा शनिवार को खुलकर सामने आ गया। बड़ी संख्या में महिलाएं तहसील परिसर और बिजली विभाग के एसडीओ कार्यालय पहुंचीं, जहां उन्होंने जोरदार प्रदर्शन करते हुए विभागीय कार्यप्रणाली के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई, जब कुछ महिलाओं ने आक्रोश में आकर बिजली विभाग कार्यालय पर पथराव कर दिया। इससे कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई और उन्होंने दरवाजे बंद कर किसी तरह खुद को सुरक्षित किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इससे पहले महिलाएं उपजिलाधिकारी कुमार सत्यमजीत के नाम संबोधित ज्ञापन लेकर तहसील पहुंचीं और समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। महिलाओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद से बिजली बिल वास्तविक खपत से कहीं अधिक आ रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि समय पर बिल जमा करने के बावजूद बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली आपूर्ति काट दी जाती है और बाद में कनेक्शन जोड़ने के नाम पर अतिरिक्त धनराशि जमा कराने का दबाव बनाया जाता है। साथ ही बिजली चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली के भी आरोप लगाए गए। प्रदर्शन की सूचना पर चौकी इंचार्ज मनीष कुमार और जूनियर इंजीनियर कौशल पांडेय मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने महिलाओं को समझाकर शांत कराया और समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद महिलाएं वापस लौट गईं। प्रदर्शनकारियों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन पर वीना देवी, शबाना, मोहम्मद नाजिम, महजबीं, सायमा, नईम, मोहम्मद तालीम, नायब परवेज सहित कई उपभोक्ताओं के हस्ताक्षर दर्ज हैं।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

डेरापुर (कानपुर देहात)। शनिवार को जिलाधिकारी कपिल सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय द्वारा तहसील डेरापुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर अपनी शिकायत लेकर आये फरियादियों/पीड़ितों की समस्याओं को सुना गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का शत-प्रतिशत निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए संबंधित अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर कार्यवाही करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। साथ ही, भूमि से संबंधित सभी प्रकरणों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा एक साथ समन्वित कार्यवाही करने के निर्देश जारी किए गए, ताकि फरियादियों को विभिन्न विभागों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा प्रकरणों का त्वरित, पारदर्शी एवं न्यायपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित हो सके।

इसी क्रम में समस्त क्षेत्राधिकारी द्वारा अपने-अपने सर्किल की तहसीलों में आयोजित समाधान दिवस में उपस्थित रहकर समस्याओं को सुना गया।

48 किलो से अधिक गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

भोगनीपुर (कानपुर देहात)। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत देवराहट थाना पुलिस ने ट्रक कंटेनर से बड़ी मात्रा में गांजा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गुरुवार को टीम संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान जल्लापुर चौराहे से प्रेमपुर मार्ग पर एक संदिग्ध ट्रक कंटेनर को रोककर जांच की गई। पूछताछ में चालक व उसके साथी के व्यवहार पर संदेह होने पर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ट्रक से 48 किलो 470 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों ने अपना नाम आले नवी (24) निवासी अलीगढ़ और तौसीफ (42) निवासी मेरठ बताया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस का कहना है कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

दहेज हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

डेरापुर (कानपुर देहात)। दहेज के लिए पत्नी की मारपीट कर हत्या करने के मामले में बरौर थाना पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार पीड़ित रामशंकर निवासी ग्राम सैथा थाना गजनेर की तहरीर पर थाना बरौर में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसमें पति सरवर नीर उर्फ साहब लाल, ससुर अंजनी कुमार, सास सरोजनी देवी और चचिया ससुर शिवलाल के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और हत्या से संबंधित धाराओं में मामला पंजीकृत किया गया। मामले में कार्रवाई करते हुए प्रभारी निरीक्षक महेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी पति सरवर नीर को मदनपुर मोड़ के पास मंदिर के निकट से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। महिला संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान जारी है। गिरफ्तार आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

दहेज प्रतिषेध अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात। दहेज प्रथा के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किसान इंटर कॉलेज कांधी में दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देश और जिला प्रोबेशन अधिकारी रेनू यादव के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक ने दहेज प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी देते हुए बताया कि दहेज लेना, देना या इसमें सहयोग करना दंडनीय अपराध है, जिसमें पांच वर्ष तक की सजा और जुमार्ने का प्रावधान है। साथ ही दहेज उत्पीड़न के मामलों में भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए के तहत भी कार्रवाई की जाती है। छात्राओं को महिला कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की जानकारी दी गई। साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबर 181, 1098, 112 आदि के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने दहेज प्रथा के विरोध में नारे लगाते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। अंत में योजनाओं से संबंधित पंपलेट वितरित किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

चारे की कमी से गौशाला में गोवंश बेहाल, व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर (इटावा)। नगर की डूडा कॉलोनी के पास स्थित गौशाला में गोवंशों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। यहां करीब 93 गोवंश रखे गए हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त चारा नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

स्थानीय जानकारी के अनुसार गौशाला में गोवंशों को मुख्य रूप से सूखा भूसा ही दिया जा रहा है, जबकि हरे चारे की व्यवस्था लगभग नहीं है। सफाई कर्मचारी दिलीप कुमार ने बताया कि सुबह करीब 2 कुंतल और शाम को लगभग 1.60 कुंतल भूसा डाला जाता है। इस हिसाब से प्रति गोवंश को औसतन करीब 4 किलो चारा ही मिल पा रहा है, जबकि एक गोवंश को प्रतिदिन लगभग 10 किलो चारे की आवश्यकता होती है। चारे की कमी के चलते कई गोवंश खुले में धूप में खड़े रहने को मजबूर हैं। बैठने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होने से अधिकतर गोवंश एक ही पेड़ के नीचे शरण लेते दिखाई देते हैं। इससे उनकी देखभाल और स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस संबंध में अधिशासी अधिकारी श्याम वचन सरोज ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित 50 रुपये प्रति गोवंश प्रतिदिन के बजट के अनुसार ही चारा-पानी की व्यवस्था कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि बाजार में भूसे की कीमत अधिक होने के कारण उपलब्ध बजट में बेहतर व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण हो रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से गौशाला की व्यवस्थाओं में सुधार और पर्याप्त चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि गोवंशों की बेहतर देखभाल हो सके।

पुलिस का सख्त अभियान: 400 चालान, अतिक्रमण व अवैध गतिविधियों पर बड़ी कार्रवाई

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से थाना पुलिस ने व्यापक स्तर पर सख्त अभियान चलाया। थानाध्यक्ष कमल भाटी के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान अतिक्रमण, सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और अवैध खनन जैसी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 400 चालान कर कार्रवाई की, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। फुटपाथ पर कब्जा कर आम लोगों के आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वालों को हटवाया गया और उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते पाए गए लोगों के खिलाफ भी चालान करते हुए उन्हें चेतावनी दी गई। पुलिस टीम ने अवैध रूप से मिट्टी खनन कर रहे एक डंपर को भी पकड़ा और उसका चालान कर सख्त संदेश दिया कि अवैध गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। थानाध्यक्ष कमल भाटी ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना और कानून का पालन सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकता है।

गंदगी और जलभराव से बढ़ा बीमारी का खतरा, ग्रामीणों में रोष

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात)। विकासखंड राजपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत जल्लापुर सिकंदरा में इन दिनों गंदगी और खराब स्वच्छता व्यवस्था के चलते संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। जलभराव, जाम नालियों और कूड़े के ढेरों के कारण ग्रामीणों का जीवन प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में नियमित सफाई नहीं होने से गलियां गंदे पानी से भर गई हैं, जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। इसके चलते बुखार, दस्त, पेचिश और त्वचा रोग जैसी बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। कई बच्चे और महिलाएं बीमार होकर इलाज कराने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से पानी जमा रहने के कारण उसमें गंदगी और कीटाणु पनप रहे हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। बच्चों को स्कूल जाने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के मन्नू कठेरिया, श्यामलाल कठेरिया, छोटे कठेरिया, बीरु कठेरिया, ब्रजेश कुमार और रामकुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शिकायत के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं कराया गया है। ग्रामीणों में इसको लेकर आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने प्रशासन से जल्द सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

संपूर्ण समाधान दिवस में स्मार्ट मीटर के बढ़े बिलों की शिकायत

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

सिकंदरा (कानपुर देहात)। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान कस्बे के एक दर्जन से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर से आ रहे अधिक बिलों की शिकायत प्रशासन से की। उपभोक्ताओं ने एडीएम को शिकायती पत्र सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की। शिकायतकर्ताओं में खुशनुमा, शमीम, अनीश, मुस्तकीम, राजकुमार सहित अन्य उपभोक्ताओं ने बताया कि उनके घरों में लगाए गए स्मार्ट पोस्टपेड मीटर से अत्यधिक बिजली बिल आ रहे हैं। उनका कहना है कि जितनी उनकी आमदनी नहीं है, उससे अधिक बिल उन्हें देना पड़ रहा है, जिससे परिवार का भरण-पोषण भी मुश्किल हो गया है। उपभोक्ताओं ने बताया कि पहले पारंपरिक मीटर से आने वाले बिलों का वे नियमित भुगतान करते थे, लेकिन स्मार्ट मीटर के बिल चुकाना उनके लिए संभव नहीं हो पा रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एडीएम दुष्यंत कुमार ने विद्युत विभाग को स्मार्ट मीटरों की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

खेत में मिला व्यक्ति का शव, पास में बिखरे नोट व कीटनाशक; परिजनों में मचा कोहराम

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

महोबा। जनपद के खरेला थाना क्षेत्र के अतरौली मार्ग स्थित एक खेत में 45 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान पहरेता गांव निवासी देवेंद्र सिंह उर्फ दीपू के रूप में हुई है। शव के पास से नगदी और कीटनाशक बरामद होने से मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। जानकारी के अनुसार, सुबह खेत पर काम करने पहुंचे एक मजदूर ने पड़ोसी खेत में शव पड़ा देखा, जिसकी सूचना तत्काल स्थानीय लोगों और पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि शव के नीचे 200 और 500 रुपये के नोटों के रूप में करीब 6 हजार रुपये पड़े थे। वहीं पास में शराब के पाउच और कीटनाशक की खाली डिब्बी भी मिली। पुलिस द्वारा शिनाख्त के बाद मृतक की पहचान देवेंद्र सिंह के रूप में हुई। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक के भाई बालेंद्र सिंह ने बताया कि देवेंद्र पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में था। फसल खराब होने और बेटी की शादी की चिंता उसे लगातार परेशान कर रही थी। परिजनों के अनुसार, आर्थिक तंगी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के दबाव के चलते उसने यह कदम उठाया। बताया गया कि घटना से पहले उसने शराब का सेवन भी किया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

महोबा में दर्दनाक घटनाएं: कहीं हादसा, कहीं आत्महत्या, तो कहीं रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मिला शव

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

महोबा जनपद में शनिवार का दिन कई दुखद घटनाओं के नाम रहा। अलग-अलग स्थानों पर हुई तीन घटनाओं ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। कहीं खेत में संदिग्ध हालात में शव मिला, तो कहीं 300 फीट गहरी खदान से 72 घंटे बाद शव बरामद किया गया। खरेला थाना क्षेत्र के अतरौली मार्ग स्थित एक खेत में 45 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान पहरेता गांव निवासी देवेंद्र सिंह के रूप में हुई। शव के पास करीब 6000 रुपये नगद और कीटनाशक की खाली डिब्बी बरामद हुई है। परिजनों के अनुसार फसल खराब होने और बेटी की शादी की चिंता के चलते वह मानसिक तनाव में था। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या का मामला मान रही है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। कबरई थाना क्षेत्र के रमकुंडा पहाड़ स्थित खदान में गिरे व्यक्ति का शव आखिरकार 72 घंटे बाद बाहर निकाल लिया गया। रउफ्क्रटीम ने कड़ी मशक्कत के बाद 40 वर्षीय अशोक शर्मा का शव बरामद किया। परिजनों के अनुसार वह शौच के लिए गया था, जहां पैर फिसलने से खदान में गिर गया। घटना के बाद से ही लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा था, जिसका दुखद अंत हुआ। दोनों घटनाओं के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। पुलिस ने दोनों मामलों में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। इन घटनाओं ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और बुनियादी व्यवस्थाओं को लेकर अभी भी काफी सुधार की आवश्यकता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर महिला पदयात्रा, अधिकारों की उठी आवाज

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर (इटावा)। भाजपा के मण्डल द्वितीय में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर महिला पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष विरला शाक्य के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की। पदयात्रा के दौरान महिलाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर नारी सम्मान और अधिकारों की मांग की। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि महिलाएं अब अपने अधिकारों के लिए पीछे नहीं हटेंगी। यह पदयात्रा महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को लेकर जन जागरूकता का माध्यम बनी।

इसके बाद आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि नारी सम्मान सुनिश्चित करने के लिए ठोस निर्णय और प्रभावी कानून आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि जब तक महिलाओं को पूर्ण अधिकार नहीं मिलते, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष अजय यादव बिंदु, पूर्व मण्डल अध्यक्ष महेश गुप्ता, पदयात्रा संयोजक भावना अग्निहोत्री, उमा सागर, कीर्ति भदौरिया, राधा मिश्रा, सीमा शुक्ला सहित अनेक महिलाएं मौजूद रहीं। इसके अलावा कई अन्य कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

गड्ढों और झाड़ियों से जर्जर 15 किमी सड़क बनी हादसों का कारण

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर (इटावा)। नगर क्षेत्र से बम्बा किनारे होकर बलरई थाना क्षेत्र के रास्ते फिरोजाबाद और आगरा को जोड़ने वाली करीब 15 किलोमीटर लंबी सड़क बदहाल हो चुकी है। सड़क पर गहरे गड्ढे और किनारों पर बढ़ी झाड़ियों के कारण यह मार्ग हादसों का कारण बनता जा रहा है।

इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों बाइक सवार, स्कूली वाहन, साइकिल, ऑटो और ई-रिक्शा गुजरते हैं। दिन में लोग किसी तरह सावधानी से निकल जाते हैं, लेकिन रात के समय स्थिति अधिक खतरनाक हो जाती है। सामने से आने वाले वाहनों की तेज रोशनी के कारण सड़क का सही अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे वाहन चालक गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर करीब एक सैकड़ा से अधिक गड्ढे हो चुके हैं और कई स्थानों पर सड़क की सतह पूरी तरह उखड़ गई है। बरसात के मौसम में स्थिति और खराब होने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने कई बार सड़क की मरम्मत की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस संबंध में प्रांतीय खंड के जेई हरनाम सिंह ने बताया कि सड़क का निरीक्षण कर रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। बजट स्वीकृत होने पर जून माह तक पैचिंग कार्य कराकर सड़क को दुरुस्त कराया जाएगा। फिलहाल इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की है।

मानव सेवा की मिसाल: बच्चों ने गुल्लक तोड़कर जरूरतमंद को दिया सहारा

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा। मोहल्ला लुधपुरा से मानवता और संवेदनशीलता की एक प्रेरणादायक मिसाल सामने आई है, जहां छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी बचत से एक जरूरतमंद व्यक्ति की मदद कर समाज को बड़ा संदेश दिया है। प्रो. डॉ. धर्मेन्द्र कुमार के बच्चों ने चुपचाप अपनी गुल्लक के पैसे इकट्ठा कर करीब एक वर्ष से पैर टूटने के कारण बिस्तर पर पड़े गौतम बाबू को एक वॉकर भेंट किया। इस वॉकर की मदद से अब उन्हें चलने-फिरने और दैनिक कार्यों में काफी सहारा मिल सकेगा। इस सराहनीय पहल में अंचल सिंह (ट्रेनी, सीटी स्कैन टेक्नीशियन, एस.एन. मेडिकल कॉलेज आगरा), समृद्धि सिंह, मेघा सिंह और कार्तिक आनंद शामिल रहे। बच्चों की इस सोच और प्रयास की क्षेत्र में खूब सराहना हो रही है। परिवारजनों ने बच्चों के इस कार्य पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि जीवन में सफलता केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि दूसरों के प्रति संवेदना और मदद की भावना से मिलती है। यह पहल समाज के लिए एक प्रेरणा है कि सेवा और सहयोग की भावना उम्र की मोहताज नहीं होती। सच ही कहा गया है— जीना है बस उसी का जिसने ये राज जाना है, काम आदमी का औरों के काम आना है।

जैनपुर नागर विद्यालय की बिटिया ने लहराया परचम, पुलिस विभाग में चयन से बढ़ाया मान

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा। कम्पोजिट विद्यालय जैनपुर नागर की पूर्व छात्रा संजू कुमारी ने पुलिस विभाग में चयनित होकर क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया है। संजू कुमारी, पुत्री रामवीर सिंह एवं शीला देवी, की नियुक्ति जनपद सुल्तानपुर के कुरेभार थाना क्षेत्र में महिला पुलिस पद पर हुई है।

प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद अवकाश पर अपने गांव पहुंची संजू कुमारी ने अपने पुराने विद्यालय पहुंचकर गुरुजनों से मुलाकात की और उन्हें मिठाई खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान विद्यालय का माहौल भावुक और गर्व से भरा नजर आया। विद्यालय परिवार ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जब कोई विद्यार्थी सफलता हासिल करता है, तो उससे मिलने वाली खुशी को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं होता। संजू की इस उपलब्धि से अन्य छात्र-छात्राओं को भी प्रेरणा मिलेगी।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं में पुष्पा यादव, नीरज यादव, अखिलेश कुमार, राजेश जादौन (ब्लॉक व्यायाम शिक्षक), पंकज यादव, अफीफा सुल्तान, ज्योति भारद्वाज, शिल्पी एवं दिव्या कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

तीन दिन से टूटे पड़े विद्युत पोल, आधे कस्बे में अंधेरा; विभाग मौन

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

अहेरीपुर/इटावा। कस्बा अहेरीपुर में तीन दिन पूर्व आई आंधी-बारिश के बाद टूटे विद्युत पोल अब तक नहीं बदले जाने से आधे से अधिक क्षेत्र में अंधेरा पसरा हुआ है। भीषण गर्मी के बीच बिजली आपूर्ति ठप होने से लोग भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं, जबकि विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। जानकारी के अनुसार, आंधी के दौरान मुकुटपुर के पास दो तथा हनुमानगढ़ी मंदिर के निकट एक विद्युत खंभा टूट गया था। तीन दिन बीत जाने के बावजूद लाइन दुरुस्त नहीं की गई, जिससे अड्डा मोहल्ला, चौकी चौराहा, कटरा मोहल्ला, राठौर नगर, कुमारन टोला, भराव मोहल्ला सहित कई इलाकों में अंधेरा बना हुआ है। बिजली न होने से बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों को विशेष रूप से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं गृहणियों के दैनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभागीय अधिकारियों को समस्या की पूरी जानकारी होने के बावजूद कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि बकाया बिल होने पर विभाग तत्काल कनेक्शन काटने में सक्रिय रहता है, लेकिन ऐसी गंभीर समस्या के समाधान में लापरवाही बरती जा रही है।

महोबा में जल संकट गहराया: कांशीराम कॉलोनी में हाहाकार, महिलाओं ने तहसील में किया प्रदर्शन

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

महोबा। भीषण गर्मी की शुरूआत के साथ ही जनपद में जल संकट गहराने लगा है। शहर के लवकुश नगर रोड स्थित बिच्छू पहाड़िया की कांशीराम कॉलोनी में पेयजल की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। ट्यूबवेल और हैंडपंप खराब होने से नाराज महिलाओं और पुरुषों ने शनिवार को तहसील पहुंचकर प्रदर्शन किया। समाधान दिवस के अवसर पर ज्योति, सरोज, सोनम और रजिया सहित तीन दर्जन से अधिक कॉलोनीवासी अपनी शिकायत लेकर तहसील पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलोनी में लगे दोनों ट्यूबवेल और हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े हैं, जिससे करीब दो हजार की आबादी को पानी के लिए गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है।

घरेलू महिला विद्युत उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर हटाने की मांग उठाई, उप जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा। नगर के लुधपुरा क्षेत्र की घरेलू महिला विद्युत उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पुराने मीटरों को पुनः स्थापित किए जाने की मांग की है। महिलाओं द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि सभी उपभोक्ता घरेलू विद्युत कनेक्शनधारी हैं और स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद से बिजली बिलों में अत्यधिक वृद्धि और अनियमितता की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। उनका कहना है कि पहले लगे मीटरों में खपत के अनुसार ही बिल प्राप्त होता था, लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद कम उपयोग के बावजूद अधिक बिल भेजे जा रहे हैं, जिससे परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी सहमति के बिना ही स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। ऐसे में वे इन मीटरों को हटाकर पुराने मीटर दोबारा लगाए जाने की मांग कर रही हैं, ताकि उन्हें राहत मिल सके। ज्ञापन में विद्युत विभाग से बिलों की निष्पक्ष जांच कर समस्या का शीघ्र समाधान करने की भी अपील की गई है। इस दौरान रेखा, संगीता, गीता, सुनीता, रानी, सीमा, सुशीला, नीरज, ओमवती, ममता, प्रेमा देवी, स्वाती, शशि सहित अन्य महिलाओं के हस्ताक्षर मौजूद रहे।

जलभराव से नाराज ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर प्रदर्शन किया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद में जलभराव की समस्या ने शनिवार सुबह बड़ा रूप ले लिया। सदर कोतवाली क्षेत्र के मथुरा-बरेली हाईवे किनारे बसे नगला मामो गांव के ग्रामीणों का सब्र जवाब दे गया। गांव की गलियों में कई दिनों से भरे गंदे पानी और निकासी की व्यवस्था न होने से नाराज महिलाओं और ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर मथुरा-बरेली हाईवे जाम कर दिया। जाम लगते ही दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने प्रशासन और ग्राम पंचायत पर लापरवाही का आरोप लगाया। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। गंदे पानी से बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है और छोटे बच्चों व बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रदर्शन करने वालों में नीलम, ब्रजपाल सिंह, वीरपाल सिंह, अनेक सिंह, शेर सिंह, जय प्रकाश, मीरा, ग्या प्रसाद, रामेश्वर, सोमवीर, हनु आदि मौजूद रहे।

शिक्षिक के सस्पेंड के बाद छात्रों को फूटा गुस्सा

गेट पर ताला लगाकर जमकर किया हंगामा, शिक्षिका को वापस लाने की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद में एक स्कूल में शिक्षिका के सस्पेंड को लेकर छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। बच्चों ने स्कूल के गेट पर ताला लगाकर जमकर हंगामा किया और अपनी शिक्षिका को वापस लाने की मांग पर अड़ गए। छात्रों का आरोप है कि उनकी मैडम के खिलाफ साजिश रची गई है। वहीं मामले को लेकर शिक्षा विभाग की कार्रवाई चर्चा का विषय बनी हुई है।

कासगंज शहर के भिटोना स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब स्कूल की शिक्षिका शालिनी मिश्रा के सस्पेंड की जानकारी बच्चों को मिली। नाराज छात्र-छात्राओं ने स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगा दिया और अपने बैग गेट पर टांगकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बच्चों का कहना था कि शिक्षिका सभी छात्रों को समान रूप से पढ़ाती थीं और स्कूल की साफ-सफाई को लेकर भी जागरूक करती थीं। छात्रों ने कहा कि जब तक शिक्षिका की वापसी नहीं होगी, तब तक स्कूल नहीं खुलने दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि स्कूल में बच्चों द्वारा सफाई किए जाने की तस्वीरें किसी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को भेज दी थीं। इसके अलावा पोर्टल पर उपस्थिति और स्कूल में आने वाले लैब सामान को लेकर भी विवाद की चर्चा है। इसी मामले में बीएसए द्वारा शिक्षिका को सस्पेंड किए जाने की बात सामने आ रही है।

सोरों गेट बाजार में बेकाबू जाम बना व्यापारियों की मुसीबत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र सोरों गेट बाजार में इन दिनों जाम की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। हालात ऐसे हैं कि सुबह दुकान खुलते ही सड़कों पर मोटरसाइकिलों की लंबी-लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे न केवल राहगीरों को परेशानी होती है बल्कि व्यापारियों का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि बाजार की सड़कों पर अव्यवस्थित पार्किंग और अनियंत्रित यातायात के कारण हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। ग्राहकों को दुकानों तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, जिसके चलते बिक्री पर भी असर पड़ रहा है। व्यापारियों ने बताया कि कई बार प्रशासन और यातायात पुलिस से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्थिति यह है कि यदि कोई व्यक्ति गलत तरीके से खड़ी गाड़ियों को हटाने के लिए कहता है तो लोग विवाद पर उतर आते हैं और माहौल तनावपूर्ण हो जाता है। बाजार में आने वाले लोगों का भी कहना है कि जाम के कारण यहां आना अब परेशानी का सबब बन गया है। संकरी सड़कों पर दोनों ओर खड़े वाहन और बीच से निकलने की कोशिश करते वाहन चालकों के चलते हर समय अफरा-तफरी का माहौल बना रहता है। व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि सोरों गेट बाजार में यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं, अवैध पार्किंग पर रोक लगे और नियमित रूप से पुलिस की तैनाती की जाए, ताकि बाजार में सुगम आवागमन सुनिश्चित हो सके। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक संज्ञान लेकर राहत दिलाता है, या फिर व्यापारियों को यूं ही जाम के झाम से जूझना पड़ेगा।

भारतीय जनता पार्टी की जिला प्रशिक्षण वर्ग योजना बैठक सम्पन्न

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार एवं सिद्धांत कार्यकताओं के लिए प्रेरणा स्रोत है-शर्मा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। भारतीय जनता पार्टी, जनपद कासगंज द्वारा जिला कार्यालय, कासगंज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत जिला प्रशिक्षण वर्ग की योजना बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने की तथा संचालन जिला उपाध्यक्ष श्री कृष्णकान्त वशिष्ठ द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी मानवेन्द्र सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार एवं सिद्धांत कार्यकताओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से संगठन की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करें तथा संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाएं। वहीं जिला प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी श्री मानवेन्द्र सिंह जी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण वर्ग कार्यकताओं के व्यक्तित्व विकास एवं संगठनात्मक दक्षता को बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने प्रत्येक कार्यकर्ता से प्रशिक्षण में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। मंचासीन पदाधिकारियों में गौरीशंकर शर्मा, केत सिंह वर्मा , रमेश साहू, डॉ. ज्ञान प्रकाश गुप्ता, के.पी. सिंह एवं नवल कुलश्रेष्ठ उपस्थित रहे। बैठक में आगामी प्रशिक्षण वर्ग की रूपरेखा, संगठनात्मक मजबूती एवं विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारियों में राजवीर सिंह भल्ला, के.पी. सिंह, शिवकुमार भारद्वाज, डॉ. योगेंद्र सिंह चैहान, रामनिवास राजपूत, सुरेश माहेश्वरी, आकाशदीप रानू, महेंद्र बघेल, संजय सोलंकी, डॉ. शिवप्रताप सोलंकी, अनुरोध प्रताप सिंह, रविन्द्र ब्रह्मचारी, रूप किशोर कुशवाह, कुलदीप प्रतिहार, विजय लक्ष्मी कश्यप, प्रीति श्रीवास्तव, शरद गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी डॉ. मनोज शर्मा, संजय पुंडीर, ब्रजेश उपाध्याय, सोशल मीडिया प्रभारी शुभम प्रधान एवं सभी मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन की मजबूती एवं जनसेवा के संकल्प के साथ हुआ।

गौशालाओं में संरक्षित गोवंश के भरण-पोषण हेतु सहयोग की अपील

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने जनपद के समस्त जनप्रतिनिधियों, अध्यक्षध्सदस्य नगर पालिका परिषदध्नगर पंचायत, सभासदों, ब्लॉक प्रमुखों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों, ग्राम प्रधानों, कोटेदारों, समाजसेवी संस्थाओं एवं सम्मानित नागरिकों से अपील की गई है कि वे जनपद में संचालित गौशालाओं में संरक्षित गोवंश के भरण-पोषण में सहयोग प्रदान करें। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि जनपद में वर्तमान में 20 स्थायी/अस्थायी गौशालाएं संचालित हैं, जिनमें लगभग 6126 गोवंश संरक्षित हैं। इन गोवंशों के भरण-पोषण के लिए निरंतर संसाधनों की आवश्यकता रहती है। विगत वर्षों में जनपदवासियों द्वारा भूसा महादान अभियान के अंतर्गत बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए पर्याप्त मात्रा में भूसाध्हरा चारा एवं अन्य सामग्री दान की गई, जिससे गोवंश के संरक्षण में महत्वपूर्ण सहयोग मिला है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने इस वर्ष भी सभी संबंधित जनों से विनम्र अपील की है कि वे गौशालाओं में संरक्षित गोवंश के लिए अधिकाधिक मात्रा में भूसा, हरा चारा, राशन अथवा अन्य उपयोगी सामग्री का दान करें। इससे गौशालाओं में संरक्षित गोवंश का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं उनके भरण-पोषण के कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपदवासियों का यह सहयोग गोसेवा के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व का निर्वहन भी है। अतः सभी नागरिक इस पुनीत कार्य में सहभागिता सुनिश्चित करें।

कासगंज का ई-डिस्ट्रिक्ट सेवा में बेहतरीन प्रदर्शन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद ने ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रमाणपत्र आवेदनों के समयबद्ध निस्तारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अप्रैल 2026 की जिला रैंक रिपोर्ट के अनुसार कासगंज की निस्तारण दर 94.92 प्रतिशत दर्ज की गई है।

ई-डिस्ट्रिक्ट उत्तर प्रदेश सरकार का डिजिटल सेवा पोर्टल है, जिसके माध्यम से नागरिक आय, जाति, निवास एवं अन्य आवश्यक प्रमाणपत्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, आवेदन की स्थिति देख सकते हैं तथा प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सकते हैं। जिलाधिकारी श्री प्रणय सिंह के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जनपद कासगंज में अप्रैल 2026 के दौरान ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु सुनियोजित व्यवस्था, निरंतर समीक्षा और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की गई। इसी के परिणामस्वरूप जनपद ने प्रदेश स्तर पर प्रथम रैंक प्राप्त की। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अंसुल माहेश्वरी

ऑनलाइन प्रमाणपत्र आवेदनों के निस्तारण प्रतिशत में प्रदेश में फिर प्रथम स्थान

ने बताया कि अप्रैल 2026 में जनपद कासगंज में कुल 17,490 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 16,602 आवेदनों का निस्तारण किया गया। इनमें 14,960 आवेदन स्वीकृत, 1,642 आवेदन अस्वीकृत तथा शून्य आवेदन रद्द रहे। इस प्रकार जिले की कुल निस्तारण दर 94.92 प्रतिशत रही।

जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर ऑनलाइन सेवाओं के निस्तारण में निरंतर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी और जनता को इसी प्रकार तत्पर, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित किया। ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से प्रमाणपत्र सेवाओं की ऑनलाइन उपलब्धता से जनसामान्य के कार्यों में पारदर्शिता, समय की बचत तथा शासन और जनता के बीच संपर्क को और अधिक सरल बनाया जा रहा है।

फाइनेंस कर्मियों ने ग्राहक को बंधक बनाकर दो दिन तक की मारपीट

उपचार को ले जाते समय ग्राहक की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भेजा पोस्टमार्टम, जांच की शुरू

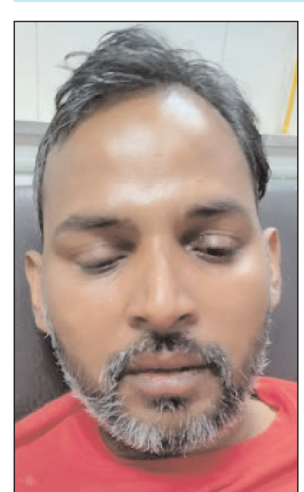

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अमांपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले एक ग्राहक के साथ जनपद एटा के फाइनेंस कर्मियों द्वारा दो दिनों तक बंधक बनाकर मारपीट की गई, परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत करने परफाइनेंस कर्मी युवक को खेत में डाल गए, वहीं परिजनों घायल युवक को उपचार के लिए अलीगढ़ ले जा रहे थे, तभी रास्ते में युवक की मौत हो गई, सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बता दें कि मृतक का नाम 30 वर्षीय आले हसन पुत्र राज उददीन था, जोकि अमांपुर कोतवाली क्षेत्र के नगला हाथी का रहने वाला था, परिजनों के अनुसार आले हसन ने एटा की अन्न पूर्णिमा फाइनेंस से एक आइसक्रीम वाली गाड़ी ली थी जिसकी लिखा पड़ी के लिए फाइनेंस कर्मी शैलेश, अनीस, विवेक व श्याम सुंदर बीती 23 अप्रैल को आले हसन को घर से बुला कर ले गए थे, जब आले हसन दो दिन तक घर नहीं आया तो परिजनों ने फाइनेंस कर्मियों के खिलाफ कोतवाली में तहरीर थी, वहीं परिजनों को आले हसन 27 अप्रैल को क्षेत्र के गांव शेरपुर के खेत में बंधे मिला, अली हसन ने परिजनों को बताया कि फाइनेंस कर्मी उसे बुलाकर एटा ले गए जहां उसे 2 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया और उसके साथ मारपीट की गई, जब परिजनों ने फाइनेंस कर्मियों के खिलाफ तहरीर दी, तो उसे खेत में डालकर चले गए परिजन अले हसन को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले आए, जहां से चिकित्सकों ने उसे अलीगढ़ रेफर कर दिया, परिजन आले हसन को अलीगढ़ ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई वही परिजन अले हसन को लेकर जिला अस्पताल लौट आए सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

महिला कांग्रेस कमेटी ने गांधी मूर्ति पर किया प्रदर्शन

महिलाओं को सम्मान दो, जसोदा बेन को घर में स्थान दो के लगाए नारे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर के नदरई गेट स्थित गांधी मूर्ति स्थल पर महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया गया। महिलाओं को सम्मान दो, जसोदा बेन को घर में स्थान दो के नारे के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुईं। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी की और केंद्र सरकार पर महिला सम्मान को लेकर सवाल उठाए।

जिला महिला कांग्रेस की नेता प्रतिभा सिंह के नेतृत्व में तमाम महिला कांग्रेस कमेटी कि सदस्य गांधी मूर्ति स्थल पर एकत्रित हुईं। जंहा जमकर नारेवाजी हुई महिलाओं को सम्मान दो। जशोदा वेन को घर में स्थान दो। महिला कांग्रेस ने पूरे प्रदेश में इस अभियान को तेज करने की बात कही और इसे महिलाओं के अधिकार और सम्मान से जोड़कर देखा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनोज पांडेय ने कहा कि महिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा आज यह प्रदर्शन कि शुरूआत है। पूरे उत्तरप्रदेश में एक आंदोलन कोंग्रेस ने शुरू किया है। जिसमे सबसे बड़ी महिलाओं कि मांग है कि जशोदा वेन को सम्मान दो और घर में स्थान दो। उसका मूल उद्देश्य है कि देश के पीएम अपनी पत्नी को सम्मान नही दे पा रहे है बो देश कि महिलाओं को क्या सम्मान देंगे।

महिला कांग्रेस कमेटी की नेता प्रतिभा सिंह ने बताया कि भाजपा महिलाओं के हक कि बात करती है। लेकिन जशोदा बेन को घर में स्थान नही है सम्मान नही है। तो और महिलाओं का ये क्या सम्मान करेंगे। उसी को लेकर आज ये प्रदर्शन किया गया है। और कांग्रेस मांग करती है देश के पीएम जशोदा वेन को घर में स्थान दें फिर महिला सम्मान कि बात करें।साथ ही साथ बर्तमान संसद की संख्या मै महिला आरक्षण लागू करें जो बिल 2023 मैं पास हो गया है। कार्यक्रम में बरिष्ठ महिला कांग्रेस नेता इंदिरा गौड़, मीनाक्षी गौड़,ऊषा पाल शैल कुमारी पूजा,निर्जला कुमारी, डॉ राखी, सोनी, अनीता, कटोरी देवी, सोनवती,नरून निशा, देवकी, संतोषी, अंजू, अमित यादव भय्यू, अली हसन सोहराब, गुलफान सिंह यादव, दीप कुमार पाण्डेय अभिषेक दुबे राजा सलमानी डॉ देशबंधु के साथ साथ सैंकड़ो की संख्या में महिलाये उपस्थित रही।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील पटियाली में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

तहसील पटियाली में 68 प्रार्थना पत्र प्राप्त, 05 मौके पर ही निस्तारित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने तहसील पटियाली के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कर आम जनमानस की समस्याओं व शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापरक एवं निष्पक्ष निस्तारण ही शासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी प्राप्त प्रार्थना पत्रों को शीघ्रता से निस्तारित करना सुनिश्चित करें। जिससे पीड़ितों को पूर्ण संतुष्टि मिले। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। जिलाधिकारी के समक्ष इस अवसर पर अधिक धनराशि के बिजली के बिल आने, विधवा व वृद्वावस्था पेंशन न मिलने, राशन कार्ड बनवाने, भूमि की पैमायश कराने, अवैध कब्जा हटवाने, राजस्व, भूमि विवाद, उत्पीड़न, आपसी विवाद आदि से सम्बंधित 68 प्रार्थना प्रत्र प्राप्त हुये। जिनमें से 05 प्रार्थना पत्रों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी प्रार्थना पत्रों को गंभीरतापूर्वक सुनकर सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त हुई शिकायतों व समस्याओं के प्रभावी व गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील में उपजिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी न्यायिक, अधिशाषी अभियंता विद्युत एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारी तथा सीओ, तहसीलदार, समस्त क्षेत्रीय खण्ड विकास अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। उसके उपरांत जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने कार्यालय नगर पंचायत पटियाली का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न शाखाओं में अभिलेखों के रख-रखाव, साफ-सफाई, उपस्थिति पंजिका तथा कार्यालयीन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी अभिलेख अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रखें तथा आमजन से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

16 साल बाद पंकज त्रिपाठी के साथ काम करेंगे प्रियदर्शन

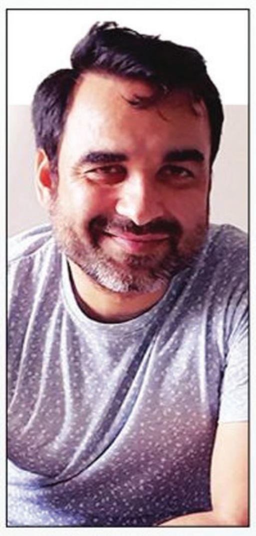

फिल्ममेकर प्रियदर्शन, जिन्होंने हाल ही में हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' दी है। इस फिल्म के साथ उनकी और अक्षय कुमार की जोड़ी करीब 16 साल बाद साथ लौटी है। इसके बाद डायरेक्टर अब एक नई कॉमेडी फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। प्रियदर्शन अब एक नई कॉमेडी फिल्म डायरेक्ट करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनटाइटल्ड फिल्म का अंदाज उनकी पुरानी फिल्मों 'हंगामा' और 'द शौकीन्स' जैसा होगा। खबरों के अनुसार, कहानी 3 बुजुर्ग आदमियों के इर्द-गिर्द घूमेगी, जो अजीब और मुश्किल हालातों का सामना करते हैं। इसमें प्रियदर्शन का वही खास सिचुएशनल ह्यूमर देखने को मिलेगा, जिसके लिए वह जाने जाते हैं। यह प्रोजेक्ट डायरेक्टर के लिए कई पुराने साथियों के साथ फिर से काम करने का मौका भी है।

इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अन्नू कपूर और शुक्ला लीड रोल में नजर आएंगे। प्रियदर्शन करीब 16 साल बाद पंकज त्रिपाठी के साथ काम करेंगे, जिन्होंने पहले 'आक्रोश' में साथ काम किया था। वहीं, सौरभ शुक्ला ने उनके साथ आखिरी बार 'ये तेरा घर ये मेरा घर' (2001) में काम किया था। अन्नू कपूर भी तीन दशक बाद उनके साथ जुड़ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 'मुस्कुराहट' (1992) और 'गर्दिश' (1993) में साथ काम किया था। इसके अलावा, राजपाल यादव भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं, फिल्म की फीमेल लीड की कास्टिंग अभी चल रही है।

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म से पहले बनेगी ये फिल्म

बताया जा रहा है कि यह फिल्म प्रियदर्शन के 100वें डायरेक्शन प्रोजेक्ट से पहले जल्दी में बनाई जाएगी। उनकी 100वीं फिल्म में मोहनलाल नजर आएंगे और इसकी शूटिंग नवंबर 2026 में शुरू हो सकती है।

हैदराबादी लहजा सीखने के लिए हंसिका मोटवानी ने की घंटों प्रैक्टिस

फिल्मों में किसी किरदार को निभाना सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय करना नहीं होता, बल्कि उस किरदार की सोच, रहन-सहन और बोलने के तरीके को पूरी तरह अपनाना भी होता है। कई कलाकार अपने किरदार को असली दिखाने के लिए महीनों तक तैयारी करते हैं। अभिनेत्री हंसिका मोटवानी भी इन दिनों कुछ ऐसी ही मेहनत करती नजर आ रही हैं। वह नई वेब सीरीज 'गली' में अपने किरदार के लिए हैदराबाद की खास बोली और लहजे को सीखने पर काम कर रही है।

अपने किरदार की तैयारी को लेकर हंसिका मोटवानी ने कहा, ''मुझे इस किरदार के लिए डायलॉग्स बोलने के तरीके पर सबसे ज्यादा काम करना पड़ा। सीरीज की कहानी हैदराबाद के पुराने शहर और चारमीनार इलाके के आसपास की दुनिया को दिखाती है, इसलिए मेरे लिए वहां की बोली को सही तरीके से समझना बेहद जरूरी था। मैं चाहती हूं कि मेरे डायलॉग्स बिल्कुल असली लगें और दर्शकों को ऐसा महसूस हो कि मेरा किरदार उसी माहौल का हिस्सा है।''

हंसिका मोटवानी ने कहा, ''मैंने किसी डायलॉग ट्रेनर की मदद नहीं ली। मैंने खुद मेहनत करके अपनी तैयारी की। हालांकि, पूरी टीम साथ बैठकर कई बार वर्कशॉप करती थी, ताकि हर डायलॉग और हर शब्द सही तरीके से बोला जा सके। टीम के साथ बैठकर बार-बार डायलॉग्स पढ़ने और बोलने से मुझे काफी मदद मिली। इससे भाषा की बारीकियों को समझने का मौका मिला।''

हंसिका ने आगे कहा, ''यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था। मैंने पहले कभी इस तरह की बोली या लहजे में काम नहीं किया। यही वजह थी कि शुरुआत में मुझे काफी प्रैक्टिस करनी पड़ी। किसी खास बोली में अभिनय करना आसान नहीं होता, क्योंकि अगर एक छोटा सा शब्द भी गलत बोल दिया जाए तो वह तुरंत लोगों को महसूस हो जाता है। छोटी सी गलती भी दर्शकों के तुरंत पकड़ में आ जाती है, इसलिए मैं हर शब्द के उच्चारण और बोलने के अंदाज को लेकर बहुत सावधान रहती थी।''

उन्होंने कहा, ''इस किरदार को निभाते समय मैं यह भी समझने की कोशिश कर रही थीं कि उस इलाके के लोग कैसे बात करते हैं, कैसे अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं और किस तरह का लहजा इस्तेमाल करते हैं। जब तक कलाकार किरदार की भाषा को सही तरीके से नहीं समझता, तब तक वह उस किरदार के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर सकता।''

कॉकटेल 2 में होगी दीपिका पादुकोण की एंट्री

दीपिका पादुकोण बीते दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद सुर्खियों में आ गई थीं। इस बीच अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में अपने वेरोनिका के किरदार में वापसी कर सकती हैं। ऐसी चर्चाएं हैं कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में अपने 'कॉकटेल' के किरदार में ही कैमियो कर सकती हैं। जानिए आखिर क्यों उठीं ऐसी चर्चाएं हैं और क्या है सच्चाई?

दरअसल, रेडिट पर एक पोस्ट के बाद से ही फैंस के बीच इस बात को लेकर खूब चर्चा हो रही है कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में 2012 की 'कॉकटेल' के लोकप्रिय और बिंदास किरदार वेरोनिका में कैमियो करेंगी। पोस्ट के अनुसार, दीपिका कुछ महीने पहले मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस गई थीं। उस समय कई लोगों ने अनुमान लगाया था कि यह मुलाकात 'महावतार' से जुड़ी थी। लेकिन पोस्ट में दावा किया गया है कि दरअसल उन्हें सीक्वल में वेरोनिका के किरदार में आने के लिए बार-बार संपर्क किया जा रहा था। उन्होंने इसके लिए हामी भर दी और उसी दौरान अपने हिस्से की शूटिंग भी कर ली। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 2012 की 'कॉकटेल' का सीक्वल है। हालांकि, इस बार फिल्म की कहानी बिल्कुल अलग होने की बात कही जा रही है।

हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे राणा दग्गुबाती अक्षय भी होंगे फिल्म का हिस्सा

बॉलीवुड के एक्टर अक्षय कुमार 'भूत बंगला' की कामयाबी से खुश हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही एक बड़े बजट की हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में काम करने वाले हैं। उनके साथ साउथ के कलाकार राणा दग्गुबाती होंगे। इस प्रोजेक्ट को लेकर अभी से काफी चर्चा हो रही है। राणा दग्गुबाती एक महत्वाकांक्षी हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे। इसकी कहानी उज्जैन के रहस्यमयी बैकग्राउंड पर आधारित होगी। इस फिल्म की कास्ट में अक्षय कुमार भी शामिल हो गए हैं। मेकर्स ने एक बड़ा सरप्राइज भी छिपाकर रखा है। ऐसी अफवाहें हैं कि कोई टॉप हीरो इस फिल्म में कैमियो कर सकता है। हालांकि प्रोजेक्ट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। इस बड़े प्रोजेक्ट को करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शंस सपोर्ट कर रहा है। इससे लगता है कि यह प्रोजेक्ट पैन-इंडिया लेवल का होगा। इस फिल्म को चंदू मोंडेती डायरेक्ट करेंगे। चंदू को 'कार्तिकेय 2' को निर्देशित करने के लिए जाना जाता है। वह पुरानी पहेलियों और रहस्यों पर आधारित कहानियां बुनने के लिए जाने जाते हैं। खबरें हैं कि राणा दग्गुबाती फिल्म 'जय हनुमान' की कास्ट में शामिल हो गए हैं। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आई है। यह फिल्म, 2024 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हनुमान' का सीक्वल है।

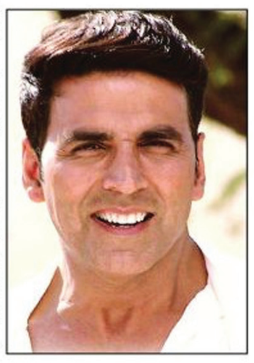

क्या 'पेद्दी' में कैमियो करेंगी श्रुति हासन

राम चरण की अदाकारी वाली फिल्म 'पेद्दी' जून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले ही काफी चर्चा में है। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा है। खबरें हैं कि फिल्म के निर्माता श्रुति हासन को लेकर एक स्पेशल गाने की योजना बना रहे हैं।

गल्ट के मुताबिक श्रुति हासन को 'पेद्दी' में एक स्पेशल कैमियो रोल के लिए साइन किया जा सकता है। उम्मीद है कि यह अभिनेत्री एक डांस नंबर में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग अभी बाकी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गाने की शूटिंग 26 अप्रैल, 2026 को हैदराबाद में शुरू हो सकती है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक श्रुति के इस फिल्म में शामिल होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म के लेखक और निर्देशक बुची बाबू सना हैं। यह फिल्म पहले 27 मार्च, 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी गई। इसके बाद, इसे एक बार फिर टालकर जून 2026 कर दिया गया। रिपोर्टों के अनुसार, यह फिल्म 25 जून को सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

'पेद्दी' के बारे में

खबरों के मुताबिक फिल्म 'पेद्दी' की कहानी एक क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, जबकि जान्हवी कपूर, शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू और बोमन ईरानी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इसका म्यूजिक ए आर रहमान ने कंपोज किया है।

मृणाल ने किया मना

इससे पहले, ऐसी खबरें थीं कि इसी स्पेशल डांस नंबर के लिए मृणाल ठाकुर पर विचार किया जा रहा था। लेकिन, अब माना जा रहा है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया है, जिससे अब श्रुति हासन के इस फिल्म में आने की संभावना बढ़ गई है।

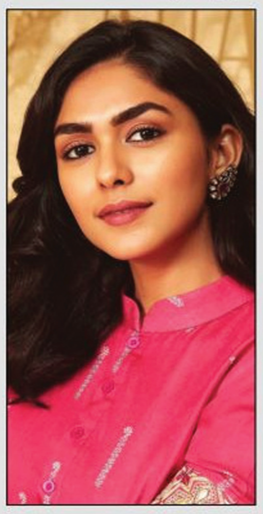

गिन्नी वेड्स सनी 2 में पहली बार मुझे टिपिकल बॉलीवुड मसाला फिल्म करने का मौका मिला

'लैला मजनू', 'ओ रोमियो' जैसी फिल्में हों या 'खाकी: द बिहार चैप्टर', 'काला', 'बंबई मेरी जान' जैसी वेब सीरीज, एक्टर अविनाश तिवारी ने पर्दे पर इंटेंस, ग्रे और गंभीर भूमिकाओं में अपनी अलग धाक जमाई है। लेकिन अब अपनी नई फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में वह पहली बार नाच-गाने, रोमांस वाली फुल मसाला एंटरटेनर में नजर आ रहे हैं। पेश है उनसे यह खास बातचीत।

ऐसा क्या ढूंढ़ रहे हैं लड़की में, जो नहीं मिल रही?

मेरी जो जरूरतें या चाहतें हैं वो तो अपनी जगह है मगर सबसे जरूरी बात ये है कि वो मुझे झेल पाए। शादी के रिश्ते के सफल होने के लिए बहुत जरूरी है कि दोनों एक-दूसरे के लिए झेल पाएं। मेरा मानना है कि मुझे झेलना थोड़ा मुश्किल है। जैसे, फिल्म में सनी जैसे आदमी को लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा का रूप सरीखी गिन्नी संभाल सकती है। मेरे जैसे आदमी को झेलने के लिए एक पार्वती भी चाहिए तो ऊपरवाला जब ऐसा कोई बनाएगा तो देखेंगे।

आपको लगता है कि यह फिल्म सही समय पर थिएटर में आ रही है, क्योंकि हाल ही में 'धुरंधर' देखने के लिए दर्शक भर-भरकर कर सिनेमा हॉल पहुंचे?

यह एक चक्र होता है, जिसमें कुछ फिल्में ऐसी आएंगी जो बहुत बिजनेस करेंगी। फिर कुछ ऐसी फिल्में होंगी जो बिल्कुल नहीं चलेंगी। मुझे लगता है कि यह किसी को नहीं पता कि कौन सी चीज दर्शकों को थिएटर में ला सकती है। जब फिल्म चल जाती है तो सब लोग जीनियस हो जाते हैं। सबको पता हो जाता है कि क्या करना है। वहीं, जब फिल्म नहीं चलती है तो हर कोई बोलता है कि इन्हें कुछ नहीं पता, कुछ नहीं आता कि कैसे आएगी ऑडियंस? पर हर किसी की कोशिश तो यही होती है कि उन्होंने जो बनाया है, वो ऑडियंस को पसंद आए। कोई इसलिए तो फिल्म बनाता नहीं है कि कोई उसे देखने ना आए। रही बात 'धुरंधर' की, तो वह बहुत अच्छे से बनाई गई फिल्म है। उसका क्राफ्ट लाजवाब है, स्टोरी टेलिंग जबरदस्त है। वह एक फिल्म है, उसमें कुछ लोग रिएलिटी ढूंढ़ने लगे तो उनकी दिक्कत है। लोगों के अपने-अपने नैरेटिव हैं, मैं उसमें नहीं जाना चाहता लेकिन जहां तक फिल्म मेकिंग के क्राफ्ट की बात है, वो टॉप नॉच है। अच्छी बात यह है कि ऑडियंस भी इवॉल्व हो रही है। इससे उम्मीद बंधती है कि अगर लोग क्वॉलिटी वर्क को सराहेंगे, तो जो लोग क्वॉलिटी काम करते हैं उनका कद बढ़ेगा और मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा हो।

इस फिल्म में पहली बार नाच-गाना, रोमांस-कॉमिडी सब करते दिख रहे हैं। यह अनुभव कितना अलग रहा?

मुझे बहुत मजा आया क्योंकि पहली बार मुझे टिपिकल बॉलीवुड मसाला फिल्म करने का मौका मिला और हर एक्टर ऐसी फिल्म करना चाहता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि मुझे यह फिल्म मिली। खास बात यह है कि इसे शूट करने से दो दिन पहले तक मैं जो फिल्म शूट कर रहा था वो बहुत ही इंटेंस था तो मुझे इतना वक्त ही नहीं मिल पाया कि मैं उस जोन से निकलकर इसमें आ पाऊं। इसके बावजूद, सब कुछ बहुत मजेदार तरीके से हो पाया, उसका एक बड़ा श्रेय मेरी को-एक्टर मेधा शंकर को जाता है। जब मैं सेट पर आया तो उनका पहला सवाल था- आज रात को हम कहां घूमने जा रहे हैं? तो ऐसी फिल्म के लिए एक जो एनर्जी होनी चाहिए, वो शुरू में ही सेट हो गई। वह इतनी खुशदिल इंसान हैं, जैसे रेगिस्तान में कहीं-कहीं जो हरियाली होती है न, वैसा था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), एन-30 ऑफसेट रघुनाथपुर सेक्टर-22, नोएडा उत्तर प्रदेश से छपवाकर हाउस न.. - 52 , ग्रीनवुड -2 , सेक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, 201308 से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949)
(समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की जा सकती है। ई-मेल-noida.morningcity@gmail.com।